BEST & Co.,

BIRTH OF SAKUNTHALA.

சகுந்தளாபிறப்பு

MADRAS.

اونگ سچتانند پورن برہم پرماتمنہ نما

بکرپائی ہرجن نراکار یہ گرنت الوپ بہاشا تصنیف مہاراجی المتخلص مہتاب

سنہ ۱۳۱۱ ہجری

بھگتی پرکاس

سمت ۱۹۵۱ بکرم

بخواہش احبان فرخندہ بنیاد حیدر آباد دکن مین

مطبع نیاز دکن واقع حیدر آباد مین طبع ہوا

بھکتی پرکاش

॥ भक्ति प्रकाश ॥

کرپا سو سری ناتھ نرنجن نرنکار جوت سروپ کے یادگار پراتھنا و آسان
داس مہتاب رائے ابن چنی لعل المتخلص بہ مھتاب کایست سری
باسپت کھربی ساکن قصبہ سرونج ضلع مالوہ حال خوش باش فرخندہ بنیاد
حیدرآباد سمت ۱۹۴۷ موافق ۱۳۰۸ سنہ میں پرکاسن پایا ناظرین سے
معروضہ ہے کہ نظر نیک سے ملاحظہ فرماکر بھول چوک
داس پہ عطا فرماویں۔ گر قبول افتد
زہے عز و شرف

فہرست بھکتی پرکاش

تعداد بھجن	تعداد صفحہ	نام سنت وسیلا	پہلا انترہ بھجن
۱	۲	ستت گنیس جی	گنپت گنیس مناؤ - پرتھم
१	२	अस्तुति गणेश॥	गणपत गणेश मनाऊ प्रथम
۱	۳	जी की	پرتھم گنیس مناؤ بھائے -
१	४		प्रथम गणेश मनाऊँ भाइ॥
۲	۵	ستت برہما جی	پرگہت بھی پرتھم برہمہ - نامی
२	६	अस्तुति ब्रह्म जी॥	प्रगट भये प्रथम ब्रह्म नामी
۴	۷	جنم لیسلا رام جی	سری رگہناتھہ اجدھا - آئی
४	७	जन्म लीला राम	श्री रघुनाथ अयोध्या आये
۵	۸	जी॥	بدھائی آودہپوری کی پتی - کو
५	८		बधाइ अयधपुरी के पती क
۶	۹	گرچرت	منوا گرو کی چرن من دی ری
६	१०	गुरुचरित्र	मन वा गुरु के चरनमं न दे रे
۷	۱۱	"	سادہو بھائی بلہاری سری گرو کی
७	११		साधु भाइ बलिहारी श्री गुरु की
۸	۱۲	"	ہی کو سادہن بہاگ برائی
८	१२		कहे को साधन भाग बड़ाइ
۹	۱۳	"	جگ مین ست گرو دتّ گوسائین

जग में सतगुरु दत्त गुसाईं		१४	९
برہمہ ایک دتاگرو گیانی		۱۴	۱۰
ब्रह्मराक दत्ता गुरु ज्ञानी		१५	१०
سری نرسنگ جگت کے سوامی	استت نرسنگ جی	۱۶	۱۱
श्री नरसिंह जगत के स्वामी	अस्तुत नरसिंग जी	१७	११
بہولاسنکر ناتہہ مہادیو -	استت مہادیو جی	۱۸	۱۲
भोला शंकर नाथ महादेव	अस्तुत महादेव जी	१८	१२
سب سنکر پتی کیلاس	"	۱۹	۱۳
शिव शंकर पति कैलाशा		२०	१३
بالاجی تم بہلے براجے ناتہہ	استت بالاجی	۲۰	۱۴
बालाजी तुम भले विराजनाथ		२१	१४
جگدمبہ امبی ــــ ماتا	استت دیبی جی	۲۲	۱۵
जेगदंबा अंबे माता	अस्तुत देवी जी	२३	१५
درگی تو ہی آد ــ بہوانی	"	۲۳	۱۶
दुर्गा है तु आदभवानी		२४	१६
امبہ بندا چل ــ مہارانی	"	۲۵	۱۷
अम्बा विंध्याचल महारानी		२६	१७
میا توری ساری صورت !ری	سیتلا ماتا	۲۷	۱۸
मैया तोरी साँवरी सूरत नयारी	सितला माता	२७	१८
میا تو ترلوکی کی ــ رانی	"	۲۸	۱۹
मैया तु त्रिलोक की रानी		२९	१९
کیسی جہانکی الونکی ــ پیاری	استت جیری گوپت جی	۳۱	۲۰

कैसी झाकी स्तुनी की प्यारी	अस्तुता मित्र गुप्त		तजी
چترگوپت مہاراج - پیاری	چترگوپت "	۳۲	۲۱
चित्र गुप्त महाराज प्यारे	चित्रगुप्त	३३	२१
تم دیوان سسٹ کی - سوامی	"	۳۴	۲۲
तुम दीवान सृष्टी के स्वामी		३४	२२
انجنی پوتر پون ست وایک مہابیر بجرنگ بلی ہے -	استت ہنوماجی	۳۵	۲۳
अंजनि पुत्र पवन सुत दायक	अस्तुत हनुमानजी	३६	२३
تم ہنومان رام کی پایک مشو نیسے موری ہو	"	۳۷	۲۴
तुम हनुमान राम के पायक		३८	२४
بہرون جی تم جگ ہابین دولاری	استت بہرون جی	۳۹	۲۵
भैरो जी तुम जग माहीं दुलारे ॥	अस्तुत भैरोंजी	४०	२५
گرب بہت راون من - ایو	ستیا سوئمر	۴۱	۲۶
गर्व बहोत रावन मन आयो ॥	सीता स्वयंवर	२४२	२६
جنم لیو سیتا جنک دولاری	"	۴۳	۲۷
जन्म लियो सिया जनक दुलारी ॥		४३	२७
آج بہلا گھر سب دن آیو	"	۴۴	۲۸
जन्म लियो सिया जनक दुलारी ॥		४३	२७
جنک بہاگ کو کہی - برائی	"	۴۵	۲۹
जनक भाग को कहत बड़ाई		४६	२९
بدای جنک راسے کو دیکی	"	۴۷	۳۰
बधाई जनक राम का दीजे ॥		४७	३०
دیبی پوجن جنک - کماری	"	۴۸	۳۱

दू-।पुँज नजनककुवारे ।।		४९	३१
سکھی بس پچھت جنک دولاری	"	۵۰	۳۲
सखिहूं स पूछत जनकदुलरी ।।		५१	३२
آری سکھی یہہ کو اور آج دولارے	"	۵۲	۳۳
अरि सखी ये को राजदुलारे		५३	३३
انند آج جنک پور بہاری	"	۵۴	۳۴
आनंद आज जनकपुर भारी		५४	३४
।।कृष्णलीला।।	کرسن لیلا		
آج سکھی جنم لی او گردہاری	جنم لیلا	۵۷	۳۵
आज सखी जन्म लीयो गिर्धारी ।।	जन्मलीला	५६	३५
آج بدہائی نند گرہ بہاری	"	۵۵	۳۶
आज बधाइ नन्द राके भारी		५९	३६
بدہائی نند ہر کو دیجئے	"	۶۰	۳۷
बधाइ नन्द महरको दीजे		६०	३७
آج دن چہٹی ہے گوکل ناتہ	"	۶۱	۳۸
आज दिन साल गीरहको आयो		६१	३८
آج دن سالگرہ کو آیو	"	۶۲	۳۹
आज दिन छठी गोकुल नाथ		६२	३९
سکھی ری برج مین بوتنا آئی	"	۶۳	۴۰
सखि री ब्रज में पुतना आइ		६४	४०
لال جی برج مین آیو ہاہو	"	۶۵	۴۱
लाल जी ब्रज में आयो हाहु		६५	४१

کانہر کیسی ماٹی - کہانی	〃	٦٦	٤٢
ककर कै सी माटी स्वाइ		६६	४२
جاگیہ گوپال کرسن بھکتن کی پیاری	〃	٦٧	٤٣
जागि ये गोपाल कृ ष्ण न•कन कै पारे		६७	४३
میجت نین اوٹھی - گردہاری	〃	٦٨	٤٤
मीजंत नैन उठे गिर्धारी	〃	६९	४४
کلیوا کیجئے موہن - پیاری	〃	٦٩	٤٥
कलेवा कीजीये मोहन प्यारे		७०	४५
بیارو کیجئے دینا - ناتھ	〃	٧٠	٤٦
वा॥ रू की ने दि ना ना थ		७१	४६
کیسی پیاری جہانکی نندلال کی	〃	٧١	٤٧
के सी प्यारी झांकी नन्दलाल की		७२	४७
گلیون میں کنج بن کی کوئی سانورا کہڑا	〃	٧٤	٤٨
गली यौ मे कुंज वन के कोइ सावरा खडा।		७४	४८
چتون سانوری کی لاگی جیون کٹاری رے	〃	٧٥	٤٩
चितवन सावरे की लागी कटारी रे		७५	४९
میں جمنا بھرن نا جاؤن رے	〃	٧٦	٥٠
मे जमना भरने ना जाऊं रे		७६	५०
سکھی ری جمنا بھرن کیسی جاؤن	〃	٧٧	٥١
सखी री जमना न संकै सेजाउं री		७७	५१
ابھی کوئی لی اوڈہی مورو کانا	دو لیلا	٧٨	٥٢
ब्रज को इ ले बौ रही मे रो कान्हा॥	दधलील	७८	५२

سکھی ری بانسری د نوہاری	بانسری لیلا	،،	۵۳
सखी री बाँसुरी दे वो हमारी	॥ बांसरी लीले	७९	५३
آری ناداں تو کیا جانے بجی ہے بانسری بین	،،	۸۰	۵۴
अरी नादान तू क्या जाने. बजे	है बांपरी बैन	८१	५४
آج سکھی راس رچو گردھاری	راس لیلا	۸۲	۵۵
आज सखी रास रचो गिरधा	री ॥ लीले	८३	५५
بس جا دری سکھی کیوں ڑاڑ کرو	مان لیلا	۸۵	۵۶
बस जावो री सखी का॥	॥ मान लीला	८५	५६
مان تج چل پیاری تو پیا بلاوری	،،	۸۶	۵۷
मान न जा च तू प्यारी ता है	पी या वु	८६	५७
پیاری جی مان نہ کیجے اب سے	कवे री ॥	۸۷	۵۸
प्यारिजी मान न जै अर से		८७	५८
بتیاں اب نکرو نگے پیا تم سے	،،	۸۸	۵۹
बतियां अब न करो गी पी य तु	म से ॥	८८	५९
آج موری پت راکھو گردھاری	پھاگ لیلا	،،	۶۰
आज मोरि पत राखो गिरधा	री ॥ फागलीला	८९	६०
لال موہ جن مارو پچکاری	،،	۹۰	۶۱
लाल मो हे जिन मारो पचकारि		९०	६१
میں تو نا کھیلوں واسے ہوری	،،	۹۱	۶۲
मै तो ना खेलौ वा से होरी		९१	६२
ہولی آئی دیکھو بہار سے	،،	۹۲	۶۳
होरी आई दे खो बहार से		९२	६३

ہندولی جھولت سام پیاری	"	۱۰۳	۷۵
हिंडोरे झुलत श्यम पिमारी		१०४	७५
آج سکھی جھولت کنج بہاری	"	۱۰۴	۷۶
आज सखी झुलत कुंज वेहारी		१०५	७६
تو برس بدلیا واہو دیس	"	۱۰۴	۷۷
तु वरषत वदरीया वा हु देस॥		१०५	७७
کاری کاری گھٹا سوہانی آئے	"	۱۰۵	۷۸
करि घटा सुहावनी आइ॥		१०६	७८
سری رادہا برکھبہان دولاری	جنم بدہائی رادہ کاجی	۱۰۶	۷۹
श्री राधा वरषभानु दुलारी॥	जनन धारर	१०८	७९
جنم بدہائی رادہ کا پیاری	बीका मीकी	۱۰۷	۸۰
जनम बधाइ राधीका प्यारी॥	राधा॥	१०९	८०
بدہائی برکھبہان کو دیجے	"	۱۰۸	۸۱
वधाइ वृषभान को दीजे॥		११०	
آری سکھی جیانا دہرت مورو دہیر	بتیاگ لیلا سلیان	۱۰۹	۸۲
अरि सखी जीया ना धरत मोरो धीर॥		१११	
من سے موہنہ بسماریو پیاری	वेने गरहीला	۱۱۰	۸۳
मन से मोहन वीसरे प्यारे		११२	
اری سکھی برج مین اودہو جی آئی	"	۱۱۱	۸۴
आरे सखी ब्रज मे उधो जे अये		११३	
ہمیشہ یاد آتا ہر گہری گوکل وبندرابن	"	۱۱۲	۸۵
हमेशा याद आता हर घडी गोकुल		११४	
آری سکھی ستہ لبرائی شام	"	۱۱۳	۸۶

अरी सकी सुधी बीसराई श्याम ॥		११५	
سکھی ری کہاںسی کہوں دکہہ اپنا	″		٨٧
सखी कासे कहुं दुःख आपना ॥		११६	
اجی پیا بہن بیرن ہی رتیاں	″		٨٨
अजी पिया भई वैरन कमै रतियां ॥		११७	
پیاری پیا کیسی کٹیں دن رتیاں	″	١١٧	٨٩
अरी पिया कैसे कटै दिन रातियां ॥		११८	
اجی پیا کیسی بہولائیں سُر بتیاں	″	″	٩٠
अजी पीया कैसे भुलाई सुरनीयां ॥		११९	
چاندی رات پیاری پیاری لاگی ری	″	١١٨	٩١
चांदनी रात प्यारी प्यारी लागो रे ॥		१२०	
بہادوں پہلا پاکھ اشٹمی موہن جنم لیسی	بارہ ماسی	١١٩	٩٢
भादों पहीला पाख अ बारामासी मी मोहन		१२१	
موکو چہاڑ گئی — گردہاری	जन्म लीय	١٢٤	٩٣
मोको छांड गये गीरधारी	॥०	१२२	
منوا بہجن کر دن - راتی	من چیتیا وسے	١٢٨	٩٤
मनवा भजन करो दीन राती ॥ मन चेता		१२३	
اری من رادہا کرسن کہوری	वनी ″	١٢٩	٩٥
अरे मन राधा कृष्ण कहो रे ॥		१२४	
غفلت چہوڑو میرے بہائی	″	١٣٠	٩٦
गफलत छोडो मेरे भाई	॥०	१२५	
جن نے من اپنو سدہ - کیو	″	١٣١	٩٧
जीने मन अपनो सुध कीयो		१२६	

آری من کوئی نہین اپنا۔ متیا	"	"	۹۸
अरे मन कोई न ही अपना मी		१२७	
آری من کون کہوری اپنا	"	۱۳۲	۹۹
अरे मन कोन कहोरी अपना		१२८	
آری من توکیون ہوت گنوارا	"	۱۳۳	۱۰۰
अरे मन तु कौं होना गवारा	।।०	१२९	
آری من اب ایسی کہنی کوری	"	۱۳۴	۱۰۱
अर मन अब औसी रे वे नि करो		१३०	
پربہوجی مین ہیت یک بہاری	بہگتی پریا تہنہا	۱۳۴	۱۰۲
प्र भू जी मै पनिान दाक भारी ॥		१३१	
ناتہہ جی اب کے بیر مہ ۃ تارو	"	۱۳۵	۱۰۳
नाथजी अबकी वेर मे । तूतारा		१३२	
بہاری جی اب پت راکہو موری	"	۱۳۶	۱۰۴
वे हारी जी अब पनरारवो मोरी		१३३	
گردہر دور کرو دکہہ۔ مورا	"	۱۳۷	۱۰۵
गिरधर तु रकरो दुरव मोरा		१३४	
پربہوجی جب جانو پتیاہی	"	۱۳۸	۱۰۶
प भू जी जवजानू प्र मताई		१३५	
توہی پیا پیا یک سب گہٹ گہٹ مین	"	"	۱۰۷
तु हैपी प्यापया क सब घट मे		१३६	
اجی پیا موری اور سنیا رو	"	۱۳۹	۱۰۸
अजी पीया मोरी औरनि होम		१३७	
درسن دے او دینا تہہ	"	۱۴۰	۱۰۹

بھگتی پرکاش

॥ भक्ती प्रकाश ॥

کرپا سے سری ناتھ نرنجن نرنکار جوت سروپ کی یہ یادگار پراتینا
واسان داس مہتاب رای بن چنی لعل المتخلص مہتاب کایست
سری باسپت کہڑی ساکن قصبہ سرونج ضلع مالوہ حال خوشباش
فرخندہ بنیاد حیدرآباد در سمت ۱۹۴۷ موافق ۱۳۰۸ ہجری مین
پرکاس پایا۔ ناظرین سے معروضہ ہے کہ نیک نظر سے ملاحظہ فرماکر
بہول چوک واس پر عتاب نفرماوین۔ گر قبول افتد زہے عز و شرف

گنپت گنیش سنا آو پرتھم
تا یک سب منگل سب کاری
بھیدیان پوجا کردن تری
پرتھم جو دہادی تحسین تم کو
کارج سدہ ندا کو ہویئے
موورک میوہ اور مٹھائی
واس مہتاب تہنا پر سیوک

سکل کارج منگل سب ارتھم
بھگون بناسن سب نرشرتھم
منگل دیو بھگن ہرو ہرتھم
اورنا ہروی بارا کہی ڈرتھم
دہاوے سب دیوت کری برہم
بھوگ لگاوین دہاوین ترتھم
بیت ہرودی اوسب برتھم

गणपति गणेशमिला श्रीप्रथम ॥ सकल कारज मंगल शुभ-
सब
अरथम ॥ गज नायक मंगल शुभकारी ॥ विघ्न विनाशन सब
नर सुरलम ॥ बहु विधान पूजा करौं तुम्हरी मंगलदेव विघ्नहरो।

हरतुम ॥ प्रथम जो ध्यावे नहिं तुमको और नाहिं दय राखै दुर
तुम ॥ कारज सिद्धि ताको होई धावे सब देवत करे बरतुम ॥
मोदक मेवा और मिठाई भोग लगावें धावे बरतुम ॥ दास
भई ताब तुम्हारो सेवक विपति हरोरे औ सब बरतुम ॥

پرتھم گنیش منا آؤ بھائی

بھکتن بناسن کشٹ نوارن — بید پوران ستنے گائی
ہر کارج سب منگل مور یا — ریت شدان سہوائی
اشٹ سدہ نوندکی داتا — سیوا کرو چیت لائی
سندر سونڈ براجت ٹیکو — کنڈل چھب آو بھکائی
رتن جرت کو مکٹ براجے — مثین مال سوہائی
کٹھلا کنٹھ بازو بند بیچ بند — سوبھ کہت نہ آئے
رشٹ لسٹ چتر بھوجی مورت — لم بود ہر سکہہ داسے
جروا کی عماری موسا — چیل سواری پائے

قندمول پکوان ـ میٹھا بیٔے — مودک مصری کھا پیٔے

نام ونایک سدہ سب کاج — تا سینے بہگہن دوراسیٔے

آدودیو سب دیو بروانا — ہییا مہتاب ـ سماسیٔے

॥ २ ॥

प्रथम गणेश मनाओ भाई ॥ विघन विनाशन कष्ट निवारण
वेद पुराण तीन गाई ॥ हरि कारज शुभ मंगल सुरियारी ति
सदा होय आई ॥ अष्टसिद्धि नौ निधि के दाता सेवा करें चि
तलाई ॥ सुंदर सूंड़ि बिराजत टीको कुंडल छबि अधिका
ई ॥ रतन जड़ित को मुकट बिराजे मुतियन माल सुहाई
कठला कंठ बाजूबंद भुज बंद शोभा कहत न आई ॥ रुष्ट-
पुष्ट चतुर भुजि मूरति लम्बोदर सुखदाई ॥ जड़ाव कि-
श्वरी मूसा चपल सवारी पाई ॥ कंद मूल पकवान मिठाई
मोदक मिसरी खाई ॥ नाम विनायक सूध सब कारज
तासे विघन दुराई ॥ आदि देव सब देवों वरदाता गणपाल
नामवडाई ॥ भक्तो गणपति सब वरदायक हिय माहि ताल
समाई ॥

استت سری برمہا جی

پرہٹ بھیئے پرتھم برمہہ نامی ۔ ناب کنول نارا ین سوامے

برکہان بہت وہان مین بیتی ۔ تب ہی سنی سرگ کی بانیے

گیان اینک پرکھٹی من ماہین ۔ سسٹی رچی برم سر گیانیے

ربی چندر آکاس پرتھمی ۔ اپت کیی پون اور پانیے

مہادیو تینتیس کوٹ دیو ۔ اندر آو منس سب پرانیے

پربت ندی برچھ کیلاسا ۔ رکھی منی جوگی تب وانیے

تین لکھ چوراسی جونے ۔ کام کرود موہ مد گامے

اتپت برہما پالن بشنو ۔ مارن کارن مہیش بنانیے

واس عہتاب مایا پریل ہری ۔ سب لیلا یک ا[illegible] جلمے

अस्तुति श्री ब्रह्माजी

प्रघट भये प्रथम ब्रह्म नाभी॥ नाभ कंवल नाराय[illegible] स्वामी॥ वर्ष बहुत ध्यान[illegible] बीते तबही सुनी स्वर्ग की बानी॥
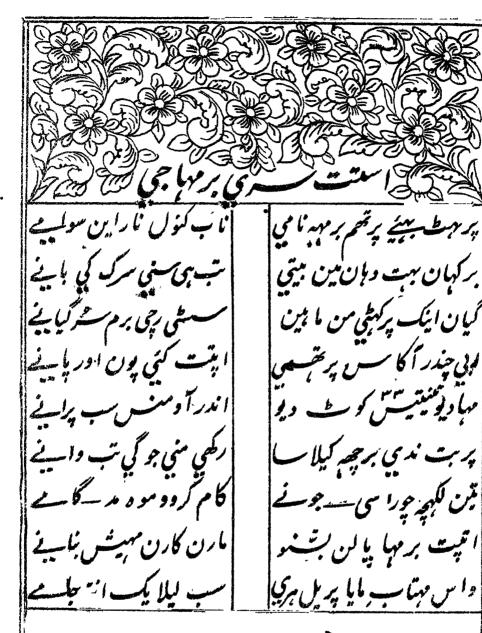
ज्ञान अनेक प्रघटे मन माहीं सृष्टि रची ब्रह्म स्कार ज्ञानी ॥
रबि चंदर आकाश पृथ्वी उतपति किये पवन और पानी ॥
महादेव तेंतीस कोटि देव इंद्र आदि मनुष्य सब प्रानी ॥
पहाड़ नदि वृक्ष [illegible]सी रिषी मुनी जोगी तपी दानी ॥
तीनि लक्ष चौरासी योनी कामी क्रोधी मोह मद गामी ॥
उत्पति ब्रह्मा पालन विष्णू मारन कारन महेश बिनानी ॥
[illegible] : ताब माया प्रबल हरि सब लीला एक अंतर जामी

جنم بدھائی رام جی مہاراج

۴

سری رگھناتھ اجدھیا آییٔے
پرگھٹی چیت سدھ نومی کو
بھگت آنند کہت نا آوت
آنند بہت اودھ پوری بہاری

کوشلیا جسرت سکھہ پاییٔے
دیون سبھی پھول برکھاییٔے
شرگنز باجنتر بجاییٔے
دیس دیس کی نرتی دکھاییٔے

کوشلیا جیرت آنند رت
دینی بہت ابوسن نانا
پھر دیو سب دیت اسیتا
راون کو مہہ کرن مہہ راون
کرپا کرو مہتاب داس پی

موتی ہیرا لال لٹا یئے
من مانی بستر پہر لیئے
چرن جیب کوشلیا جایئے
سنت وشٹ سب چکی کہابئے
بھگت دیو اگھ کل من بھایئے

जन्मबधाई । भजनमहाराज

श्रीरघुनाथ अयोध्या आये कौसिल्या दसरथ पाये ॥
चैत्र सुदि नौमी को देवसबै फूल बरसाये
...त आनंद कहत न आवत सुरकिन्नर बाजे बजाये
आनंद बहुत अवधपुर भारी देसदेसके नृपती आये
कौसिल्या दसरथ आनंद में। लुटाये मोती हीरा लाल ...
दीन्हे बहुत अभूषन नाना ...मान ... स्तर पाहराये
बिप्रदेव सब देत असीसा चिरंजीव कौसिल्या जाये
रावण कुंभकरण महिरावण सुनत दुष्ट सब परकी रवाये
कृपा करो महताब दास पै भक्ति देवो रघुकुल मन भाये

ایضاً ۵

بدھائی اودھ پوری کی پتی کو ‏— سری کوشلیا جی کو

دیو لوک باجن بہو باجین ‏— آنند دیو بینے ـــ کو

برہم چاری جوگی سنیاسی ‏— پرم انند چیتی ـــ کو

دیت اسیس بپر سب آیئے ‏— پایئے سب پھل جی ـــ کو

برگھ کوٹ برہما کی اگھو بھر ‏— چرن جیب رہو ـــ نیکو

لایئے اجدھا بایبے بداوا ‏— بستر ابوسن ـــ ٹیکو

نرناری آنند ات پھلت ‏— گاوت منگل ـــ نیکو

گن گاوین تیری رگھو نایک ‏— دیتو بر یہہ ہی متی ـــ کو

داس مہتاب مانگت رگھو نندن ‏— بھگت اور گتی ـــ کو

बधाई अवधपुरी पतीको — श्रीकौ[illegible] जी को

दे[illegible] लोक बाजन बहु बाजे — [illegible]नंद देव मुनी को

ब्रह्मचारी जोगी सन्यासी — प्रमानंद जैती को

देत असीस बिप्र सब आये — पाय सब फल जी को

[illegible]कादिक ब्र[illegible] कर बर — चरण जीव रहो नी को

लाये अयोध्यावासी बधावा बस्त्र अभूषणरी को
नरनारी आनंदित अतिकुल गावत मंगल नीको
गुण गावें नेर रघुनायक देवो बर येही मती को
दासमहि ताब मांगत रघुनन्दन भक्ती और गती को

॥ गुरुचरित्र महिमा ॥

گرچرت مہمان

منوا گرو کی چرن من دی ری — بید کہت سن لیے ری
گرو برمہا گرو بسن ردّر گرو — سب تج بج گنُ لیے ری
گرد یوا دیون کی —— دیوا — دہن من تن ان دی ری
جو گرو کرپا کرین تیرے پر — رڈہ سدّہ دہن لی ری
جو گرہ چاہین سو ہی کرہین — بھگتی پن پن —— لیے ری
گرو تارین بیکنٹھ بیٹھاوین — گروکے نام رات دن لیے ری
گرو بھجن سے بھگت مکت لی — اوگن چھور ستوگن لیے ری
گرو گرو کرگتیا رت کرلیے — مایا موہ تج گرتن دے ری
گرکے بن کوئی نہین ہتیرا — بارم بار نام من لیے ری

بہگت بہجن گن لیے ری گہری گہری پل چہن پیے ری		سکرت جان یہی من ماہین داس مہتاب گرو چرنامرت

मनलागुरुके चरणमनदेरे बेद कहत सुनले रे

गुरुब्रह्मागुरु विष्णु रुद्रगुरु संबतो जग भजिले रे

गुरु देवा देवनके दे वा धनमनतन अर्पनदे रे

जोगुरु कृपा करें तेरप र रिद्धि सिद्धि धनले रे

जोगुरु चाहें सोई करहैं भक्ति पुनि पुनि ले रे

गुरु तारें बे[illegible]ठ पठा वें गुरुके नाम रातिदिनले रे

गुरु [illegible] जन सभ के मु[illegible]ले औगुण छोड सबलागुण ले रे

गुरु गुरु क[illegible] कृतारथ करले माया मोह तजि गुरु तन दे रे

गुरुके बिन कोई नहिं तेरा बारम्बार [illegible] ले रे

संस्कृत जान यही अब माहीं भक्ति भजन गुन ले रे

दासमहिताब गुरु चरणामृत घडि घडि पल छिन ले रे

ایضاً

۷

ساد ہو بھائی بلہاری سری گرو کی

بھگت ریت ہری پریت جنائی — کیٹے جنجال دہرو کی
بھجن کرو گھری گھری پل چھن چھن — مجرا لیت جہرو کی
جو نر مکھ بھگت گر چرنن — بھگت پیا سے — ہو کی
داس مہتاب بھجو سری گرو گرو — ناتو رہو گے — [illegible] کی

साधो भाई बलिहारी श्री गुरु की भकरी तहरिप्री त जनाई
कटे जंजाल ध्रु को ॥ भजन करो घडि घडि पल छिण छि
[illegible] जरा लेत [illegible] रोके ॥ ज नर बिमुख भक्ति गुरु
चरनन [illegible] भूके [illegible] भाई ताव भजो
श्री गुरु गुरु नातो रहोगे सूके ॥

ایضاً

۸

کہی کو سا وہن بہاگ برایئے

اسٹ سدّہ نو ندّہ مال کہا	تین لوگ ـــــ ٹہکرایئے
ہیّا مین بست ہین جنکے رام سیّا	انکو کچھو نہ ـــــ سوہایئے
جن گہر سادہرن جب آیئے	مائی دوت جم ـــــ کہایئے
پاپ پہار چھو گئی ـــ رایئے	پہر گئی سادہ دہو ہایئے
سادہن کے درسن کے مہان	بید پوران مین ـــ گایئے
داس مہتاب کرونت سنگت	بنت بنت بن ـــــ جایئے

कहँका साधन भाग बड़ाई॥ अष्ट सि ध्द नौ नि ध्द
माल कहा तीन लोक ठकुराई॥ हियामे बसतहैं जिन
केराम सिया उनको [illegible] हाइ॥ जिन घर साधचर
ण जब आये माटी दूत जम खाई॥ पाप पहाड़ होगये
जौंराई फीरगई साधपुनाई॥ साधनकी दरशनकी
महिमा बेद पुराण मे गाई॥ दास महिताब करो नि
त संगत बनत बा न जाई॥

ایضاً

٩

جگ مین ست گرودت گوسائین

ان سونیا بھگبي ہري دیکھي
برمہار تور بسن دیون دیو
کھٹ کر نیتر تین مکھہ بیا پک
گور آنگ ر دراچ ابوبھن
سنکھہ چکر کجکول برا
دو کر بھگتن کي رچا ہت
تھور تھور گادي مندر ــ بہو
سمرت دہان ہوت پرکاسا
نام لیت دکھ برم چارسے
واس مہتاب چرن گرو ہتیا بي

پرگھٹي آپ ایک تن ماہین
ایک برمہہ ہین دوسر ناہین
دیکھہ روپ چکرت ہو جائین
سو بہا کون کہي جگ سائین
دیکھہ ترسول ڈست مرجائین
چتون گیو سو ہان مکھہ تائین
تین لوگ یا کے پرچھا ہین
جہان تہان مہان سب ٹھاہین
ہووت سدّہ بھگن سب جاہین
کام کرودھ موہ ڈرجائین

जगमें सतगुरू सत गुशांई ॥ अन सुइया भक्तीहारि देखै प्रघटे आप एकतन माहीं ॥ ब्रह्मा रुद्र विष्णु देवन देव एक ब्रह्म है दूसर नाहीं ॥ भास्कर नेत्र तें नमुख आप करे स्वरूप चक्रि तह्मो जाहीं ॥ गोर अंग रुद्र राख आभूषण शोभा कौन कहे जग साईं ॥ शंख चक्र गदा कोल बिराजत है त्रि शूल दुष्ट सुर जाहीं ॥ शंकर भक्तन के रक्षा हितचित बैगाऊ स्वान सुख ताहीं। ठौर ठौर गादी बहु मंदिर तीनि लोक जाकी पर छाहीं ॥ सुमिरत [illegible] परकाशा जहां तहां महिमा सब ठाहीं ॥ ना [illegible] कुल हन्ता ब्रह्मचारी होत सुध बिघन सब जाहीं ॥ दास महि ताब चरण गुरु हिय ले काम क्रोध मोह दूरि जाहीं ॥

ایضا

۱۰

بہ بہ ایک دتا گر گیا نی	ایک انکھ تین لکھہ ـــ بانی

برمہا رودر بسن کرا چھا
اترو ہیے ان سوئیا ما
کہٹ کر یک ترسول براجت
رتوہ راج ابوسن ناما
پالن مارن اتپت تارن
تین لوک پل پل پر کرما
گرچرت بانی ست گرو کی
نام لیت گرو ت گوشا تین
تین دیو کو یک برمہچاری
گور آنگہہ کہٹ تیر کنول سی
ست گرو ایک دت سرایسا
داس مہتاب بہگت گرومن کیے

یک اوتار یہی سب جانیے
ان بروان پوان کیئے سوامی
سنکہہ چکر کہٹ پر آنیے
جٹا مکٹ سو چہب کو جانیے
سب آوین وت شرگہا پیے
کہٹ کہٹ کیے سب انتریامی
ست سو پہل من اچہا پانیے
نامی ہوت سبہی نرکامے
برمہا بسن مہیش بنانیے
سو بہا کہٹ جیہا ٹہرانیے
تین لوگ آکاس بکہانیے
بہگن ہرت بہل دین من آنیے

ब्रह्मा एक दत्ता गुरु ज्ञानी एक अंग तीनि मुख बानी
ब्रह्मा रुद्र विष्णु कर इच्छा ऐक औरि लिये सब जानी
अत्रि रुषी अनुसुइआ माता उन बरदान :रण किये स्वामी
घर कर एक त्रिसूल [illegible] त शंख च[illegible] कर आनी ॥

پرسرام بلرام کرسن دج
لہیو اوتار بہگت کی کارن
گرب کیو ہرناکس جگ مین
واس بہلاؤ کو تراس دیکہایو
اسرمار سب تاپ نوارو
تم آسا پورت سب جگ کے
واس مہتاب کی اور نہارو

سری رام نرسنگ گرگامی
بہگت پہلاؤ پریت اُر آنی
کاہے کرو د موہے ننگا سکے
نکسی بہار کہم ہر جاسے
استت گرت دیو سر گیانی
ہم اچھا پورو تم سوامی
بہگت بچہل کرناکر نامی

परसराम बलराम कृष्णद्विज श्रीराम नरसिंह गरुड़गामी
लियो औतार भक्तके कारन भक्ति प्रह्लाद प्रीति उर आनी
गर्भ कियो हिरनाकश जगमें कामी क्रोधी मोह [illegible]
दास प्रल्हाद को आर्ति लाग्यो निकसे फाड़ खंभ हर जा[illegible]मी
असुर मारि सब ताप निवारो अस्तुति [illegible] देव सकर ज्ञानी
तुम आसा[illegible]रत सब जगकी मम इच्छा पुरो[illegible] मस्वा[illegible]मी
दास सहिलाबके ओर निहारो भक्तिवत्सल करुणाकर नामि

استت مہادیو جی مہاراج

۱۴

بہولا سنکر ناتھ مہا دیو — سب دیون کیے دیو سداشیو

رات دیوس تمرو گن گایون — بہگت دان یک موکو دیو

ہون نیت تپین کو سامے — سرناگت چرنن کی ہے او

تم ہی برہما تم ہی بیشنو — تمرو کوئی نہ جانت بہیو

بہجن کرو تم تم بہولا کے — چار پدارت سب ہے لیو

سب گوری کیلاس براجین — کرپا کرین جیسی برسے میو

واس مہتاب کرو سب سیوا — چرن اہج نج سب کی سیو

॥ अस्तुति महादेव जी महाराज ॥

भोलाशंकर नाथ महादे व   सब देवन के देव सदा श्यो

रात्रिदिवस [illegible] म्हारो गुण गाऊं   भक्तिदान एक मोको दे [illegible]

हूंपतितपातनको .ामी शर गंगतचरनन .ळ ो
तुमहीब्रह्मा तुमहीं व पु. तुमरो कोई न जाने भे ब
भजन .ाबमनम भोलाके चारप रथसीसके ो
शिवगौरीकैलासबिराजें पाकरं जैसे बरसे भ
दासमहिताबकरा. .सेवा चरणांबुजनिजसीबके सेवो

ایضاً
۱۳

شب سنکر پیتے کیلا سا

گلے بھبوت جٹا سر اوپر
سُبرن کی سب کیا
گرڈمرو بلجے گلی منڈمال
گوری اور گنگی ـــ پاسا
وہ تو کھایے دھتورہ اوڑھے کھال
نت ہوے بھانگ پھر پیاسا
ترسول براجت تین نین
سر گنگا جی کا ـــ باسا
بیر بھدر گنیس کارتک
سب کوان کا بھروسا
والس مہتاب کہو بم بھولا
سب پورت وہ ہی آسا

शिवशंकर पतीकैला स अंगभभूत जटासिर ऊपर
सुबरनके सबके ——— सा करडमरू बाजे गरे मुंड माल
गौरी अर्धंगी पा — स वोह्ह तो खाय धतूरा और आटे
खाऊ नित पीवे भांग की प्यासा ॥ त्रिसूल बिराजन तीनि नैन सिर
गंगाजी का वासा ॥ वीरभद्र गनेश कार्तिक सबको इनका
भरोसा ॥ दास महिताब कहो बम भोला सभ पूरन वोही
आसा ॥

استت بالاجي مهاراج

۱۴

بالاجي تم سبھلے راجي ناتھہ

شٹیا چل پربت استانا	سب دیوت ہین ساتھہ
دین بندہ دنین کی سہایک	کیجہہ موہ ——— سناتھہ
جو آیو تمرے سرناگت	تارے بہت ——— آناتھہ

تمری بنا کوئی نہین دیکھے
کرپا کرو اپنی بھگتن پر —
مین پتیت ایک مہا اپرادھی
کرپا سندہ تم دین دیالا
تم ہی سب کی پورت آسا
پورو ہم آس ایک بارا
داس مہتاب کھڑی ہیں پل

پتا ستا اور — ما تہہ
درس پرس کر — ا تہہ
موہ اوبہارو — نا تہہ
کرجور لوا ؤن — ما تہہ
لاج رکھو گہہ — ہا تہہ
بھجن کرون دن — را تہہ
تمری ہی گن — گا تہہ

॥ अस्तुतिबालाजीमहाराज ॥

॥१४॥

बालाजीतुमभलेबिराजेनाथ ॥ शेशाचलपर्वतअ स्थाना ॥ सबदेवतहैंसाथ ॥ दीनबंधुदीननकेस हायकीजेमोहिंसनाथ ॥ जोआयोतुमशरणों गततारेबहुतअनाथ ॥ तुम्हरेबिनाकोइनहिंदीसे पितासुताऔरमाता ॥ कृपाकरोअपनेभक्तनपर दर्शीपरसकोआथ ॥ मैंपतितएकमहापतितमोहिं उधारोनाथ ॥ कृपासिंधुतुमदीनदयालाकरजोड नवाऊंमाथ ॥ तुमहीसबकीपूरतआसाकाज

रखो गहि हाथ ॥ पूरो मम आसा एक बारा भजन करूं दिन रात ॥ दास महि ताव घड़ी घड़ी पलपल तुम्हरेही गुण गाता ॥

استت ہری دیبی مہارانی جی

۱۵

جگدیشی اہی — ماتا
تم برمہا بشن — کہا او
آو بھوانی — رانی
تو آو جوت مایا — ہی
جو نام نہ لیوے — تیرو
تو بیج مایا — بستاری
برمہا دک بھید نا پاوین
تو بہا سر متہنی — بیجے
تو دوست دلن امبا سے
برداس تیرو نا پاوے
یک داس جھتاب تمہارو

تم تین لوک سُر — داتا
سب سنک ہی گن — گاتا
تو وہ جو نہ بھیی — بھرماتا
تو ہی درگا تج — ماتا
وہ بھر چار سبے — پاتا
اور الکھی اپنی — ہاتا
پھر کون کرے کچھو — باتا
تیرو گن سب کو — بھاتا
کر کرپا اپنی — ماتا
ہو نیہری سری کی داتا
تم رات دیوس گن گاتا

अस्तुतिश्रीमहारानीजी ॥

जगदम्बे अम्बे माता ॥ तुमतीनि लोक सुरदाता
तुमब्रह्माबिस्नुकहाओशिवशंकरहीगुणगाता ॥
तूआदिभवानीरानीतोहिजोनभजेभरमा ता ॥
तूआदिजोतिमायाहै तूहीदुरगानिजमा ता ॥
जोनामनलेवे तेरो वुहफिर चौरासीपा ता ॥
तूनिजमायाबिस्तारी और राखी अपनेहा ता ॥
ब्रह्मादिकभेदनपावेंफिरिकौनकरेकछुबा ता ॥
तूभैंसासुरमथनीहै तेराहीगुणसबकोभा ता ॥
तूदुष्टदलन अम्बाहै कर कृपा अपनीमा ता ॥
बरदास तेरा नापावेह्लोतेरीसरीकोदा ता ॥
एकदासमहितावतिहारो निजरातिदिवसगुणगाता

ایضاً

۱۴

وسگی توہی آور — بہوانی
وہاں گرین بر مہابنو سب
بھگتن بہت لیت اور تارا
سبت لوک آکاس تباہ

کرپا کر — سری مہارانی
جب لگ سنین نہ بانی —
بہت بھگتن — بار گرانی
سب مین جوت سمانی

جب جب گسٹ دیو تن آیو
بہی میک اور — پانی
جنبی تو جگ مایا جیسے —
چوا ُوا ُا بہون بین — رانیے
دیکھیت مشمنبہ سنگار ہی
اور ن کوگیا — جانی —
تو مایا بین جگ لپٹا تو —
چہون جگی بین — مانی —
رات دیوس تیر وگن گاوہی
داکی بدہ — سیانی
تیری چہرن سیوا ناکو یی
آد جوت جگ رانیے
داس مہتاب دینا تیر وہی
دینن کی رکھہ — بانی

दुर्गे तू है आद भवा —— नी | कृपाकर श्री महारा —— नी
ध्यान करें ब्रह्मा विष्णु सब | जब कंगस्कनैन बा —— नी
भक्तन हेत लेत औता रा | भैंसासुर मार गिरा —— नी
सप्त लोक आकाश पताला | सब में जो तं समा —— नी
जब जब कष्ट देवतन आयो | भई मघ और पा —— नी
जग जननी तू जग माया है | चौदह भुवन में रा —— नी
दैयत शंभ निशंभ सिंघारे | औरन को क्या जा —— नी
तू माया में जंगल फिरा नी | जो चक्की में मा —— नी
रात्रि दिवस तेरो गुन गावे | वाकी बुद्धि सया —— नी
तेरे चरण सिवा ना को ई | आ द जोति जग रा —— नी
दास महि ताबदीन तेरो है | दीनन की रख बा —— नी

ایضاً

۱۷

اسبهه بندا چل مهارانی
برهما بین رد ر سب تم ہی
بهگت ہیت اوتار دهری سب

تو ہی جگت —— بهوانی
گهٹ گهٹ بست سمانی
دشٹین مار —— گرانی

مہیا توری سامری صورت باری

جہاڑو سوپ سر مکٹ براجت ——— پیلا پیتمبر ——— دہاری
سر ہانڈی سوہت ات نیکی ——— گہورا گدہا ——— سواری
مال پوا من بہاوت میٹھا ——— ڈال چنے کی پیاری
جگ جننی بہگتن کی سہایک ——— سب جگ کی رکھواری
رچہا کرتی کشٹ نوارن ——— تیری چرن بہاری
بہگت مہاب سیتلا ماتا ——— توہ گن گاوت بہاری

मैयातोरी सांवरी सूरत बारी झाड़ू सूप सिर मुकुट बिराजत
पीलापीताम्बर धा——री सिर हांडी सोहत अति नीकी
घोडा गधा सवा——री मालपुआ मन भावत मीठा
दाल चने की प्या——री जग जननी भक्तन की सहा
पक्ष सब जग की रखवारी रक्षा करनी कष्ट निवारन
तेरे चरण बलिहा——री भक्त माहि ताव सीतला माता
तो गुण गावत भा——री

ایضاً ۱۹

سونیا تو تر لوکی کی رانی — آو سکت مہارانی
لیجے اوتار بھگت کی کارن — چہن مین کشٹ ہرانی
کوئے ایسا کوئے جگد ما — کوئے لکھ آو بھوانی
جو انکی چپت کا کالی — کوئی آنندی جانی
کوئے تلجا بنگ للج بکھانی — اسٹ بھیجے من آنی
کوئے برا ہی سیتلا بھاکی — ساتون ناؤ بکھانی
ہنو و ہری بھاسا شر متھنی — تو ہی سیتا کہلانی
تو ہی ایسوری بھی دن ربنا — ولیکے بدہ سیانی
پنگلا ہرسدی کوئی دیبے — کوئی آو جوت کرن مانی
کوئی گوری ساتری جانی — کو آو مہا پہچی جانی
درگا بندہ باسنی امبکا — اسرن مار گرانی
چتر بھوجی بھدر کالی موہنی — جسم کی فندہ توڑانی
ہیم وتی ورزوتی سندری — کوروں پانڈہ لرانی
چوراسی ساروا پتیا مری — چو او دا بھوین سوہانی

بگلا مکھی جوگ مایا — تو
جگ بندنی مہا کالیے — تو
مہا مایا مریئے مرتو — تو
مین آکپھی ابیلی — پورنا
کام آکھی بساں آ کپھے
کویے جنتی جگ مایا جانی
بھگت مہانب تیرو جس گاوے

کھٹ کھٹ جوت سماپیئے
مرناکس کرب بھواپیئے
پون میگ اور — پاپیئے
مدرہ کی پت — اپیئے
کاسی کا پتی — پیئے
نانا ناون — پیئے
ومین کی رکھ — اپیئے

मैयातू त्रिको कीकारा नी   आदिशक्ति महारा — नी
लिये औतार भक्त के कारण   छिन में कष्ट हरा — नी
कोई अम्बा कोई जगदम्बा   कोई कहे आदि भवा — नी
ज्वालामुखी चंडिका काली   कोई आनंदीजा — नी
कोई तुलजा हिंगलाज बखाने   अष्टभुजी मनसा — नी
कोई बराही सीतला आके   सातों नाड़ बखा — नी
माहो धरी [illegible] मथ नी   तुही सीता कहिला — नी
तुही ईश्वरी भजे दिन रैना   वाकी बुद्धि मया — नी
[illegible] हरसिद्धी कोई देवी   कोई आदि जोति करमा नी

कोई गौरी सावित्री जाने कोउ महालक्ष्मी जानी

दुर्गा बिंधबासिनी अम्बिका असुरन मारि गिरानी

चतुरभुजी भद्रकाली [illegible] जम के फंद तुड़ानी

हेमवंती द्रौपदी सुंदरी कौरो पांडु लड़ानी

चूड़ामणी सारदा पीताम्बरी चौदह भुवन सुहानी

बगुलामुखी जोगमाया तू घर घर जोति समानी

जग [illegible]दैनी महाकाली तू हिरनाकुस गर्भ भुलानी

महा[illegible]यामयी [illegible] तू तू पवन मेघ ओरणी

मीनाक्षी अकबेली पूरनामद राकीपरानी

कामाक्षी बिसालक्ष्मी काशी कांची मानी

कोई जननी जगमाया जाने नाना नाउ धरानी

[illegible] माहेताब तेरो जस गावे दीनन की रखवानी

استت سری چتر گوپت سوامی مہاراج

کیسی جھانکی آنو کی پیاری ‏ دیکھی چیتر گوپت بلہاری
وانجھہ بانجھہ سوئین ٹھکراین ‏ پیرین ابوسن ـــ بہاری
کہا بر نو چھب کہت نہ آوی ‏ کنڈل کی چھب ـــ نیاری
کیسریا باگا رت ہنکو ـــ ‏ مکٹ چراؤ ـــ بہاری
ہیم بیرن پیتا مر سوجھہ ‏ متین مال ـــ سنواری
بار بار درسن دیو سوامیے ‏ بھگتن کی رکھہ ـــ باری
بھگت جان کرپا کرو موپر ‏ کاٹو موہ مد ـــ بیری
دین جان آسا کر دپوری ‏ پتین کو ادہ ـــ کاری
اور نہ کچھو چاہت ہر تم سی ‏ جانت ہیں ـــ بناری
جونت بھی کر بے تم پوجا ‏ گیو لوگ آدہ ـــ کاری
داس مہتاب یہی چاہت ہی ‏ نت گن گایون ـــ تہاری

अस्तुति श्री चित्रगुप्त स्वामी महाराज

केसी झांकी अनोखी प्यारी ॥ देखी चित्रगुप्त बलिहारी ॥
दायें बायें सोहैं ठकुरायन पहिरे अभूषन भा री ॥
कहा बर्नों छबि कहत न आवे कुंडल की छबि न्या री ॥
केसरिया बागा अति नीको मुकट जड़ाऊ भा री
हेमबरन पीताम्बर सोहे मुतियन माल सवा री
बारबार दर्शन देयो स्वामी भक्तन के रखवा री
भक्त जानि कृपा करो मोपर काटो माल [illegible] री
दीन जान आसा करो पूरी [illegible] अधिक री
और न कछू चा[illegible] तबर तुमसे जान[illegible] पोरह[illegible] री
जो नित भजन करे [illegible] म पूजा गऊ लोक अधिका री
दास महिताब यही चाहत है नित गुन गावुं तिहा री

ایضاً

چترگوپت مہاراج پیاری | میں سرناگت سدا تہاری

ایضاً

۲۲

تم دیوان سشٹ کے سوامی — پاپ پن کیے انتر جامی

چار برن پرگٹ کیجے برہما — پاپ پن کوئی نا جانے

چنتا سہت تپسیا کینے — پرگھٹی کایاسے تب سوامی

پرگٹی چترگوپت برمہہ ہت کے — چیتی سبھی موہ مدکامے

داس مہتاب کی اور نہارو — پتین کے سوآمی کو سوامی

तुमदीवानसृष्टकेस्वामी पापपुनकेअंतरजामी

चारबरनप्रघटकिये ब्रह्मा पापपुन्नकोईनाजानि

चिंतासहिततपस्याकीन्ही प्रघटेकायासेतबस्वामी

प्रघटचित्रगुप्तब्रह्महितसे चेतसंभीमोहमदकामी

दासमहताबकीओरनिहारो पातेतनकेस्वामीकेस्वामी

استت ہنومان جی مہاراج

۲۳

انجنی پوتر پون ست وایک مہابیر بجرنگ بلی ہی

پتا بشمبر سب جگ جانی مات انجنی تا بے جنی ہی

ہوت جنم دیکھی پری سورج گرہن کیئی پھو میوا کبی ہی

مات پتا بس کہی پیاری تین لوک یک یہ ہی منی ہی

قند مول پھل کہاؤ دولاری رام سیا یک تیرا دھنی ہی

مہابیر تما نہین کو اوجت دیکھو اُت تو ہی بلی ہی

سو جو جن مرجات سمند کی گو و گئی چھین یک ناگنی ہی

گرب ٹور راون مہ راون یک پل ماہین لنگا جری ہی

دوناگر پربت کو لایے رام کاج جون چھپا کلی ہی

ہتیا مین بست ہین جنکے رام سیا وہ ہی سب کی بکٹ منی ہی

پریت بھی انجنی کمار سی یہ جگ مین واہو بکے ہی ہیجے

کرپا کرو مہتاب داس پی تو چرنن کی بھگت ملی ہی

پورو مم آسا سرناگت بھگت مگت یہ دواؤ بھلی ہی

ایضاً

۲۴۰

تم ہنوماں رام ہے پایک تم سے بسنتی موری ہو
جنم ہوت لکھہ جو جن کو دی لبی سیئے مکھہ ماہین ہو
پتا پون اور مات انجنی کہوت پوران پکاری ہو
تھی داس ہو رام سیتا کے تم دیوان جگت سب جانی
کدلی بن یک بن ہی سندر تھان پتشا توری ہو
اگیا پاسے بہرات لچھمن کی سمند کو ڈہین ماہین ہو
لنکا چرا سیتا سدہ لاسے بلم کری نہین تہوری ہو
ہنومان یک بیر تمہی ہو رام داس مین داس تمہی ہو
دوناگر لاسے یون دوناگر رام لچھمن کی کاج سنواری ہو
مہراون مار چہن ماہین راج مکٹ دیج دبھی سے ہو
کرب ٹوربل مین راون کو بہت پو تر چہن مارسے ہو
دین جان بہرناگت راکہو پہنچ بیکے کرپا لو ہو
داس مین یک داس کہا اون تیرا بہروسا بہاری ہو

दास महिताबकी ओर निहारो ‥पाकरो ‥छुयोरी हो

भक्ति दे योतुम चरण क ‥ लको पूरो ‥ सा मेरी ‥ है

استت بہرون جی مہاراج

۲۵

بہرون جی تم جگ ماہین دولاری

کال کہت ترکال کہت کوئی
ٹیک کہت سنساری

کاسی کی کوتوال کہت کوئی
جی جی ناتھ پوکاریے

لامی لامی چہاتر سول براجت
گلی منڈمال سنواری

باگھمبر پیتامر سوہت
الک الک کرتاریے

چندن سندور پپ کی مالا
برا پکوان پیاری

بکرا بہت ناریل بینکو
صراپان متواریے

کرت دہان ہیک پک دہارت
بہگت جان دکھ یاریے

جوشیا دوبت مج دہارا
کہیج لگا آؤ کناری

ब्रह्मावेद बखानत बिरनू कहा जानो सबके मनभा—यो
रिधारंड सबदेव जहांतहां एक श्वो शंकरसे मन लायो
ऋषी मुनी जो तप करतारा अब उनहींसे दंड मंगा—यो
रक्त घडा भरि दिये मुनी सब कहो काल निश्चै तुम आयो
सुनत बचन कौंपत अति भारी देस जनक राजाके [illegible]यो
गाड़ि भूमि आयो निज पाछे जियासंदेह मिटा——आ
जोरख रुका आयो मन माहीं तब लंकासे दूर दुरा——यो
द। सम्महि नाब करो लखबि बितार चनार चीरामबुहीपाथ

ایضاً

۲۷

جنم لیو سیتا جنک ودلاری — آنند بہیو دیوتن بہاری
نومی تتی سدہ ابی پرگاسا — پرگئے ماس بیساکھ نگاری
آنند جنگ ہبیا یہ سمابت — دیوت کینچن بھر بھر تھاری
اُتسا بہوکت نا آوت — آنند مگن سب ہی نر ناری
دیو لوگ باجنتر بجاوین — ناچت ابسر دوی دی ناری
دن دن چندر کلاسی باڑہی — پانچ برس کی بھئی پیاری

دہنش دہرو سیو سنکر بہاری	لیوا ٹھائے پھول سم باری
اچرج دیکھ پرن کیو راجا	چاپ چڑا ی بر دونا پرکواری
واس ہتاب یہ ہی بنجھ داہی	برین سیتا پیارا رام بہاری

जन्म लियो सिया जनक दुलारी आनंद भयो देवतन भारी
नौमी तिथी सुद्धि रवी प्रकाश प्रघट मास बैसाख कुमारी
आनंद जनक हियान समावत देवत कंचन भर भर थारी
उत्साह भयो कहत ना आवत आनंद मगन सभी नरनारी
देवलोक बाजंभ बजावें नाचत अपसरा देदे ता — री
दिन दिन चंद्रकलासी बाढ़े पांच बर्षकी भई पिया — री
धनुष धरो शिवशंकर ना भारी लियो उठाय फूल सम -
बारी॥ अचरज देख प्रण कियो राजा चाप चढ़ाय बरो
यह कुंवारी॥ दास यहि तात यही निश्चै है वरें सिया प्या -
रा रामबिहारी॥

॥२८॥

आज भला शुभ घरी शुभ दिन आयो॥ नौमी सुद बैशाख
मासको जानुकी नाम धरायो॥ प्रघटी जग जननी जग

माया मंगल सब ने गायो जनक भाग को करे बड़ाई ॥

देव लोक सब धायो ॥ दर्श पर्श लें सिया जानकी बाजा

ایضاً

۲۸

آج بھلا سب گھری سب دن آیو

تہھی ستدو بیاکھ باسر کو
پرگٹی جنک جی جگ ما یا
جنک بھاگ کو کری برائی
درس پرس لی سیا جانکی
منگل گات سبھی نر ناری
راجہ جنک مگن انند بھی
منگل مکھی آنند بھی لی لی
واس مہتاب نہ بسرو رام سیا

جانکے نام — دہرایو
منگل سب نے — گایو
دیو لوک سب دھایو
باجا سرن — بجایو
پربھو یہ دن دیکھوا — یو
نگر بدھاوا — لایو
جاکو جو کچھو — بہایو
رتن امولک — پایو

सुरन बजायो ॥ मंगल गात सभी नरनारी अभुयह

हिलन्दि रखरायो ॥ राजा जनक मंगन आनंद भये -

नगर बधा वा लायो ॥ मंगल मुखी आनंद भये लेले

जाको जो कुछ भायो ॥ रासमहितावन । बेसरा - राम सियारत्न असो लकपायो ॥ जनक भागको कहे बडाई लियो औतार लक्षिमी आई ॥ प्र ट भई श्री जगत भवानी श्रीजानिकी सिया क ाई ॥ आ नंद भयो जगमाहीं जनक रायके उरन समाई ॥ जैजे शब्द गाये त्रिलोकी गंधर्व आयके गान सुनाई ॥ देव लोक बाजन बहु बाजें आय अपसरा नृतदिखा ई ॥ भयेउधार जनक बहुदीन्हों बरनकरूं कछु कह

ایضاً

۲۹

جنک بہاگ کو کہے بڑائی
پرگھٹ بہی سری جگت بھوانی
منگل گات بجات نگر سب
پرم آنند بہو جگ ماہین
جی جی سبد گیو تر لوکی
دیو لوک باجن بہو باجین

نیو سے لو تار پہلے آئی
سری جانکی سیتا کہائے
دیت جنک رانی کو بدہائی
جنک رانی کی ار ند سمائی
گندہرپ آئی کی کان سنائی
آئے ابسرا ندت دکھائی

جیسے آنند برہمہ جہان سب ہو وشید
منگل مکھی جانکی جیسے
مہا آنند دیو تن کنتیو
بھیو دیکھ آکاس وساتن
واس مہتاب ہیا لیو سیا جی

برن کرون کچھ کہت نہ آئی
کنچن دی کسی بدھائی
جیسے رام راون چھہ آئے
دیو بچن سن پکی کھائی
ناتو جگ ہووے گی ہنسائی

तन आई ॥ मंगल मुखी जानकी जैसे कंचन दुति देह
बिराई ॥ महा आनंद देख तनकी ज्यों विजय राम -
रावण छै आई ॥ भादों ख आकाश समान देवतन
न मुनि पक्षी खाई ॥ दास माहि लाब हि चर्नों सिध्दा
जीनातो जग होवेगी हंसाई ॥

बधाई जनक एय कोहीने जन्म कियो जगदुख जा

तुकी दर्शसियाकेकीजे॥ चढ़विमान देव सब आये

जोड़देखत सोरीझे॥ आनंदभये त्रिलोकीमेंभारीरवि

ایضاً

۳۰

پڑھاے جنگ راے کو دتّجے

جنسم لیو جکد یجہ جانکی	واسس سیاکے — بیجے
پربہاں دیوسب — آے	جو دیکہت سو — پیجے
آنند بہو ترکے مین بہاری	دیکہہ روپ اِس بیجے
بہی اُودہار جنک اورانی	جو چاہو سو ——— پیجے
راون ستی پرگہٹی جانکے	دو واڑ ہاتن کو — بیجے
واس ہہاب رام اور سیاکو	ہیاین لیجے ——— پیجے

रूपरस पीजे॥ भये उधार जनक औररानीजो चा

हौंसो कीजे॥ रावण स्रुनी प्रघटी जानकी दोऊहाथन

सुख मीजे॥ रामसहितानरामऔरसियाकेहियमें-

دیکھنے پوچھن جنک کماری — سب سکھیان مل چلے دولاری
رتن امول ابھوسن نانا — لہنگا چیر سرنگ زرتاری
جھنڈ جھنڈ سکھیون کے بھیتر — جون کچھ ہنس چال سنواری
پھونچی تہان جہان مندرامبکا — پھول رہی نانا — پھلواری
چمپا چمیلی گلاب سیوتی — جوہی جاہے مولسری نیاری
مدن مان موتیا کیوڑہ — مہک رہی گل شبو بہاری
گل طرہ لالہ نافرمان — ہتور تہور دیکھو گل کارنے
جہان تہان گل چاندنی پھولی — دیکھ چاندنی رات پکاری
کنول داؤدی ذونا مروا — گل لالہ پیچہ گلناری

ات سے اگہو برلیے پہول تے
اُت سے آئی کنور نویلے
اوٹھی اُومنگ پریم بس ڈوڑو
پریم بیبس پونچت سکہین سے
پرگہٹی گاڈہ پریم کی ہیامین
دہوپ دیپ نو بید آرتی
جو تم سانچی امبکا ماتا
واس مہتاب سری درگائی

بسوا منتر کی پوجا کاہے
بہت سبہی ڈولا یک باری
لاگو ہی ہتیر کلیجے بہاری
یہ ہین کون نگر کی پیاری
اگہبرات وہ مندر سندر باری
کر پوجا ڈوا اُد ہات پساری
برین موہ اگہبر سے نیواری
من مانو پہل دیو سیاری

देवीपूजन जनककुमारी सबसखियां मिलि बोलि दुलारी ।
रतन अमोल अभूषन नाना लहिंगा चीर सुरंग जरतारी ॥
झुंड झुंड सखियों के भीतर जों गजहंस चाल [illegible] तवा [illegible] री ॥
पहुंची तहां जहां मंदिर अम्बिका फूलि रही नाना फुलवारी ॥
चंपा बेली गुलाब सेवती जूही जाही मोलासरी न्यारी ॥
मदन बान मोतिया के [illegible] री ॥
गुल तुर्रा लाला नाफर्मा दौर २ देखा गुलका [illegible] री ॥
जहां तहां गुल चांदिनी फूली देख चांदिनी रात पुकारी ॥

कंवलदाहदीसै नामवा गुल लाला पेंचागुल ना —— री॥
उतसे रघुबर आये फूल हित बिश्वामित्र के पूजा का —— री॥
उतसे आई कुंवरि जनकली भेंट भई दोउ एक बा —— री॥
ऊठी उमंग: प्रेम बस दोऊ लागो है तीर के कलेजे भा —— री॥
प्रेम बिबस पूंछत सखियन सों ये हैं कौन नगर के प्या री॥
प्रघटी गांठ प्रेम की हियमें रघुबर उत बोह मं... सिधारी।
धूप दीप नैवेद्य आरती करि पूजा दोउ हाथ पसा —— री॥
जो तुम सांची अम्बिका माता बरें मोहिं रघुबर धनधारी॥
दास महिताब श्रीदुर्गा ने मन मानो फल दियो सिया री॥

ایضاً
۳۲
سکھی سس پوچھت جنک دولاری

چڑا ایسے پرتھی سے ـ راجا		دیکھو کیہون نہ —— اُماریا

تمري پتا جي نے رچو ہي سويمبر — آئے نرپ سب بھاري
کاسي نريس راون سي راجا — متھرا کے شب ــــ کاري
کاسمير گجرات چنديري — پراگ راج کي ــــ باري
بلخ بخارا اور ــــ کلکتھا — ہستنا پور ــــ ريواري
مليوار بس سنيو ــــ کنچے — ليچھپا پور سيت ــــ گرناري
مارڑ وار کوٹھ بوندي سب — جن مين خوسي تيہاري
کہان تو برن کرون سب نامان — راجا رنگ ــــ ہزاري
کيسي کيسي بہو پ براچھا کرلو — نہين نہين سکي بھکاري
يہ ہي رام جسرت ست نيکو — ہي نا بس ــــ پياري
چانپ چري نہ چري دہنواکي — ان سنگ لگن ــــ ہماري
واس مہتاب چرن جب جوري — ہوت سران ــــ بلہاري

सखीहंस पूंछत जनकदुलारी ॥ जू ड आये ॰ श्रीके राजा
देखो कौन अयारी ॥ तुम्हरे पिता जूने रचोहे सुयम्बर
आये नृप सब भारी ॥ काशीनरेश रावणसे राजा मथुराके
शुभकारी ॥ काश्मीर गुजरात चंदेरी आगराजके बारी ॥
बलख बुखारा और कलकत्ता हस्थनापुर [illegible] री ॥

मलेवार विछ्छू२ युकंचीलक्षिनापुरी गिरना —— री ॥
माडवार कोटा बूंदी सबजिनमें खुशी तिहा —— री ॥
कहांलो बरनकरों सबनामा राजारंकहू जा —— री ॥
कैसे२ भूप बरइच्छा करलोनहिं२ सखी भिखारी ॥
यही राम दसरथ सुतनीकोभई कन्या बसप्यारी ॥
चांप चढे नचढे धनुबांकी इनसंग लगनहूमा —— री ॥
दासमहि ताब चिरंजीव जोडी होत सदां बलिहारी ॥

ایضاً
۳۳

آری سکھی یہ کواُو راج دولاری
سو بجا کہت نہ آوے انکی
میر و من مشو ہوان عالیے
بھاری وہ سنگ شیو سنکر کو

جو دھکہ سنک پد ہاریے
شور چند رنگ دہاری
کنول نین —— متواری
پرن پتا کا —— ہماری

کٹھن دھنک کو مل کر گہیہ	اور آوستھا ـــ باری
چاپ چرہی نہ چرہی رہون گی	نا تو رہون گی ـــ کنواری
انترجامی جان من ستیا کے	ٹوک ٹوک ـــ کرواری
بہنجی چاپ جنک پت راکہی	جی جی سبہی پوکاری
انند بہیو نگر یک بار سے	نرپتی نگر سدہا رسے
انند اُرفساوست ستیا کی	تاری دیت سب نیارسے
واس مہتاب یہ ہی سکرت ہی	ہتیا مین یسواب پیاری

श्रीसखीयको ऊराज दुलारे॥ जोरिषिसंगपधारे॥
शोभा कहतन आवे इनकी सूर चंद्र पग धा ——— रे॥
मेरामन सोहाइन आली कंवल नेन मतधा ——— रे॥
भारी धनुष श्योशंकर कोपरन पिता कोहमा ——— रे॥
कठिनधनुष कोमलकर रघुबर ओर अवस्था बारे॥
चापचढे नचढे बरहौ ईन नातो रहूंगी कुंवा ——— रे॥
अंतरयामी जा सिया मनकी टूके २ करडा ——— रे॥
भंजि चाप जनक प त राखी जे जे स भी पुका ——— रे॥
आनंद भयो नगराएक बारी नृपती नगर सिधा ——— रे॥

आनंद उरन समावत सियाके तारी देत सब न्यारे॥

दासमहिताब यही सुख चाहत हियमे बसो अब प्यारे॥

ایضاً

۳۴

انند آج جنک پور بہاری — منگل گات نگر سب نرناری

اگہر سنگ لگن شبھ آجی کو — پرم اتساہ ہوت سب کاری

بھانت بھانت باجن سُر باجین — گات بجات دیت سب تاری

باجت ہین مردہنگ جھانجھ دپ — نرتت اپسرا نیاری نیاری

بہو سن بستر ابوسن نانا — دنگپ ونگپ سب کی زرتاری

ویسہی دیس بہوپ چترائی — پھول رہی مانو پھلواری

ریت رسم کل کیے سب کینے — ککن ہاتھ براجت پیاری

ہیج برات اگہر شبھ کاری — آیے دوآرچر جنک دلاری

سو چھا برن سکون نہین اگہر — ویسی ادبھوا آج —— گماری

دولہ رام دولہن سیا پیاری ۔ ہووت بہا نور لکن بچاری
دایج پایج برن کرون کہا ۔ دولہن دولہ سنگ سدہاری
اندر آو دیو جہاں تائین ۔ ہوت سیا اگیہر بلہاری
رکہی منی پنڈت سب آیئے ۔ جی جی کرت سیا بنواری
دیت اسیس چرن جب جوری ۔ ہروی لبو مم سیا بہاری
باس کرو مہتاب کی ہروی ۔ یہ ہی مانگت بر رام سیاری

आनंद आज जनकपुर भारी ॥ मंगल गात नगर नरनारी ॥
[illegible] बरसंग लगन सियाजीको परम उत्साह होत शुभकारी ॥
भांति २ बाजेन सुर बाजें गात बजात दे[illegible]ारी ॥ बाजतहैं
मृदंग झांझ डफ नृतत अपसरा न्यारी २ ॥ भूषण बस्त्र अभू
षण नाना अंग २ सबके जरतारी ॥ देखहिं २ भूप जूड आ
ये फूकि रही मानो फुलवारी ॥ श्री [illegible]रसम कुलकी सबकीन्ही
कंगन हाथ बिराजत प्यारी ॥ साजि बरात रघुबर शुभकारी
आये द्वार चढि जनक दुलारी ॥ शोभा बरन सकूं नहिं
रघुबर वैसी उपमा राजकुंवारी ॥ दूल्हा राम दुलहिन सिया
प्यारी होवत भाव रलंगन बिचारी ॥ राय जमाय जब रम

करं कं ह्लादुलहिन दूल्हा संग सिधारी॥ इंद्र आ, दे देव जहां ताहीं होत सिंगार रघुबर बलिहारी॥ रिषीमुनीपंडितसब आवे जैजै करत सिया बनवारी॥ बास करो मेरे नाव के शिर दे॥ येही मांगत बररासी धारी॥

رس لیا

جنم لیا

۳۵

آج سکھی جنم لیو گردھاری	پرگٹ کرشن مرارے
ارتھ ناتھ جٹ روپ بنے	بدھ وار شب کارنے

जै देत ॰ सीस बेरंग जीव जोडी हृदय बसो म्माम्मा सिया बिहारी ।। बस करो महीताब के हृदय यही मांगत बर राम सीयरी ।।

کرسن لیلا
جنم لیلا

۳۵

آج سکھی جنم لیئو - گردھاری — پرگٹی کرسن مرا ری
آر ودہ نسا نچھتر روہنی — بدہ وار سب - کاری
بھادوں بدہ اشٹمے سوئی — رت بسنت پگ دھاری
دیو کنتر باجنتر بجاوین — سرن بھیہ بھی - بہاری
باجت تال مردہنگ مجیری — ناچت اپسرا - تیاری
تلہچا لکچھ نہین سیچو گنتی — نند ویت بہم - تباری
بانٹ موتے مالک ہیرا — جاچک بہا تہہ - بھکاری
نند بھومین آنندات بہاری — چھب نیہ کہن چلو - پیاری
دیو بدہائی نند - ہر کو — لی لی بلئیان - گردھاری
منگل گات بجات نگر سب — ہس ہس وبی ذبیا - تاری
داس مہتاب سبہی تن من کو — آرین کر دیک - باری

कृष्ण जन्म लीला ।। ३५ ।।

जनम बधाई लीला

आज सखी जन्म लियो गिरधारी ।। प्रगटे कृष्ण मुरारी ।। अर्ध
निसा नक्षत्र रोहिनी बुद्धवार शुभ कारी ।। भादौं बुद्ध अष्टमी
सो है रितु बसंत पग धारी ।। देव किन्नर बाजे बजावें सुरन
भीर भइ भारी ।। बाजे ताल मृदंग मंजिरे नाचत अपसरा न्यारी ।।
लक्षा लक्ष नहीं कछु गीनती नंद देत भर थारी ।। बाटत मो
ति मानिक हीरा जाचक भाव भिकारी । नंद भुवन आनंद प्रानी
त्रिन भारी छबि नीर रैयेत बोलारी ।। देयो बधाई नंद महर को
लोके बलो यां गिरधारी ।। मंगल गान बजावत नागर सर्बस दे दे नारी
दास अहिंताब सभी नन मन के प्यारा करो रखवारी ।।

ایضا

۳۶

آج بدھائی نند گرہ بہاری

پوت سپوت جسودھا جایو		گائی بجائی دیو سب تاری

कीन्हें निहाल जे गतके भिकारी ॥ चिरंजीव ढोटो सुत रानी को र धरि लियो कुवर कन्हाई ॥ दास महीत [illegible] और सब सेवक को प्यारी [illegible] ॥ कृष्ण मुरारी

ایضاً

۳۷

بدھائی نند مہر کو دیجی

جنمو پوت جسومتی رانی | سب ہی نچھاور — کیجی
بہی اگو دہار نند اور جسومت | جو چاہو سو — لیجی
چلو چلو گرہ نند رائی کی | درس پرس رس پیجی
بستر ابوسن نند لال کو | دودھ دہی سب — دیجی
دیی اگو بدھائی نند مہر کو | آنند منگل — کیجی
گات بجات سبہی انند ہت | مہتاب دیکھہ سکھہ — لیجی

॥३७॥

बधाई नंद महर को दीजे ॥ जन्मो पूत ज[illegible] मति रानी सब ही निछावर कीजे ॥ भये उधार नंद और जसोमति जो चाहो से लीजे ॥ चलो [illegible] [illegible] दर्शन रस पीजे ॥ बसन [illegible] प्रेम सहित नंदलाल को दूध दही [illegible] जो दे सो भाई

ایضا

۸۱

لال جی برج مین آیو ہا ہو

دور کہیں جین جا او پیاری ‌ نہین پتیارو — کا ہو

تین کوت کو ٹہاکر جو ہی ‌ سور چندر اور — راہو

سبت لوک آکاس پتالا ‌ بہجن کرت سب — تا ہو

برہما وک مایا مین مو ہی ‌ سری کرسن — بلداؤ

تاہی ڈراوت ہا ہو جیسا ‌ پرگہٹ کیئے سب واہو

سرناگت ہہتاپ تمہارو ‌ کام نہ راکہت — کا ہو

॥८१॥

लालजूब्रजमें आयाहू॥ दूरि खेलनजनिजाओ प्यारेनाहिं [illegible]रोकाहू॥ [illegible] लोकको [illegible]जो है सुरचंद्रऔर राहू॥ सब [illegible] पताल मजन कर[illegible]ताहू॥ब्र ह्मा[illegible]क माया मोमोहि श्रीकृष्ण बलदाऊ॥ तायेडरावत हाऊजो या प्रगट किये सबवाहू॥ सरनागत माहि तात तुम्हारो- काम न राखन काहू॥

ایضاً

۴۳

کاتھر کیسی ماٹی کھائی

کہاکمی تو لکھہ گو دہن - گھر تو موہ لاج - لجائی

ذات پانت برج لوگ بدہو سب ہست ہیں موہ - سنائی

لی سائی بر نہا او ٹہہ دہاو چھوتی سبک - سکائی

دیکھت کیون مکھہ کھول نمیّا بین مائی کہان - کہائی

تین لوک دیکھی مکہ - مائین سور چندر سب - پائی

چکرت بہی مکہہ بول ناوت پورن برم - کہنائی

سب کو تک بیوہار سکل سب پن پن نند - سنائی

داس مہتاب کرسن کاناکو رات دیوس کن - گائی

॥४३॥

कहर कैसि माटी खाई ॥ कहा कमी नो लख गोधन य
रतु मोहि लाज लाज। ॥ जाति पांति [illegible] बधू सब-
हंसत है मोहिं [illegible] ॥ ले माटी बरषा उठि [illegible] बत झूठी
सीख सिखा ॥ खतक्यों मुख बोल [illegible] । मै माटी
कहां खाई ॥ [illegible] लोक दीखी मुख माहीं सूर चंद्र स

माई।।च ... नमयी सुखबोल्मना प्रावत पूरनब्रह्म कन्ह
ई।।सबकौतिकव्यो .र स ... सब पुनिनंद ... नारी
दासमहैला ... शा ... को रातीदिवसर ... ।।

ايضاً

۴۳

جا گیہ گو پال کرسن بھگتن کی پیاری

ربی کو پرکاس بھو چندرما او داس ہو
سو نی کی جھاری جمنا جی کو پانی
مو وک میوہ بسال ماکھن اور مصری
بیر بھی بہت اچ نند جو کی باری
واس بھی مہتاب اور گوپ گوال پیاری

گوال بال آئی کی سب ٹھاری ہین
لونگ کی و تون لال منجن کرو باری
کہا ٹھیہ کر پاندھان جگ کی او جیاری
کیتو ین کی بچہرو سب تیرت ہین پیاری
ورسن کی اچھا ہین گات کن تیاری

।।४३।।

... ।।गिये गोपाल ... शाम ... नकथ्यारे।।रबिको प्रकाश
भयो चंद्रमा उदासभयो ... प्रेमकेसब ठाठेहैं द्वारे।।
सोनेकीझारी जमूनाजी को पानी लौंगकीदलौन लाल
मजन करोबार।।मो कमावा बिसान्न मारवन प्रो

र मिसिरी खाइये कृपानिधान जग के उजियारे ।। बेर
माई बहुत प्राज नंदजु के बारे ।। गोबन के बछरा सब
टेरत हैं प्यारे ।। रास है महिताब और गोप ग्वाल सारे ।।
दरशन की इच्छा में गात गुरा निहोर ।।

ایضا

۹۹

سیجت نین او ٹھی گر د ہا ری
ناکہن رو ٹی و یچ ر ہی میّا
بھی بارات د یدی کلیو ا
شو ئی کی تہار یہ کا رہت سی
و و آؤ بھیّا اور گوال بال سب
سب بچھرہ بن ماٹین بگھری
واس مہتاب چتیا سو پیاری

جی جی سبھی کرت نر ناری
بھوک لگی لت مٹو کو بہاری
گوال بال سب دیوت تاری
کہات داؤ اور کرسن مراری
بچھرہ سہت چلی — بنواری
کہلت آپ قدم کی واری
کبری کہری پل چہن جات بلہاری

पनिपारवा ... दुद्सरकार हो प्रेम ... दास
... लोवेज
पारे ॥ ॥सुघमुलोम ... ॥

گلیون مین گنج بن کی کوئی سامرا کھڑا
دیکھو ری سکھی دیکھو یہہ کسو اسطے۔ اڑا
چیرا ملیسی پٹکا جری کا ہی ۔ جگمگا
ہین پور۔ پور چہیلی پڑا ہا تہہ مین کڑا
باجی دہرن انوکی کنڈل ہین کان مین
بہج بند چرا اور گلی تئین کاست لڑا
مرلی آدہر مدہر ہی ذرا چل کے دیکہ لو
نتور سروپ ترچہی نگاہون سے من لڑا
سج دہج ادا انی پیاری کی کیا بین کیا مجے
مہتاب نظر ملتی ہے دل صاف بے اڑا

गलीयामे ... बनके कोर सांवरा ... ॥
। देखो री सखा देखो ... किस ... ॥

ایہ پران ہی پیاری ہی ہو

تین گرام چھہ راگ راگنی
ہری بانس کی موری مبریا
تری کام نہ آوی پیاری
نرت کرون کاہی سی رادہا
تری نہ بیر مہا موہت جاسی
جیسی تری ہسی لی کہا یی
کہت ایک جمنا کی بہتر
کاہی کو راڑ کرت ہو ہم سی
ہا تہہ جوڑ مہو بنتی کرت ہون
دیکہی بہت بہل ات کا ـ نا
رامن ہتاب ملین سب سکیان

تر لوکی سی ـ نیاری
اور کلا ہو ـ تیری
اودہک مول سبی بہاری
رادہا کنور ـ کنوری
کیسا کرون ری ـ گوری
وہ ہی لیے تم ـ چوری
ہم دیکہی ـ منواری
بہت جات مج ـ دہاری
کاہی کہجاوت ـ پیاری
دیو بانسری ـ موری
لائی بر کہہ بہان دو لاری
دی تم جیسی ـ گردہاری

।।५३।।

बांसर ठेका

सखीरी बांसरी देयो हमारी। कौन [illegible]
अधी: प्राणसप्यारी मोको। त्रैलोकी है न्यारा।
तीन ग्राम छः राग रागनी। और कला बहुतेरी। हरे बा

ایضا

۵۷

لان تجہ چل پیاری تو پیا بلاوی ری

سن رادہا تو بری ٹہیلی دیا نہین من مانین

سندر شام سجان لال کیون جیا جلاوی ری

بیاکل بین کنجن بین کا نا بیند نہ آوی ری

کہت کوٹی پر کہہ بہات دو لاری آن ملاوی ری

او ٹہت بیٹہت کل نہ پرت بیہ ات اُت جیتوت رتی

تو کہتوزمانت نہین پیاری کیون اٹولی لاوی

وہ ٹہاکر تیہون لوک کی مالک تو یک ناری ری

بہاگ برائی جان سنج کیون کہین کہلاوی ری

کنور کسوری مان تجو ری سری رادہا بلہاری

داس مہتاب جگل جور یہ چتور ہولاوی ری

नअबेरी।।कईकोईन्रसमानदुलारीअनमीलावेरी।।
उठलबैठलकलनपडलहैईलउनचीलबनरी।।तुक
ठोरमाननन्हींप्यारीक्यैंउनेरूलावेरी।।वैहठाकुरनिहुं
लोककेमालकतुयकन्यारीरी।।भागबडाईजानसम
संक्यैंसेलखीलावेरी।।कुंवरकीशोरीमाननजोरी
श्रीराधाबरलीहारी।।दासमहेताबजुगलजोडीपर
चेंबरडुलावेरी।। ७ ।। ।। ७ ।।

ایضاً

۵۸

پیاری جی مان نہ کیجی اب سی

سکھی بیکہ کینو تم کارن — بنتی کرت ہون کب سے
تم ری بنا سکو کل نا پرت ہی — پریت برائی جب سے
تین لوک کوئی نہین تو سم — رچنا رچی ہی تب سے
واس مہتاب کی ہتیا بو جو ری — یہہ بر مانگت رب سے

।।५८।।

।।प्यारीजीमाननकीजेअबसे।।

सखीभेककीनोतुमकारन।।बीनतीकरनहुंकबसे

میں جو اچانک آئی کھیلن کو
رنگ وارو انگیا جن پھاڑو
انگیا پھاڑی بنیان مروڑیے
ابیر گلال ملت مکھ اوپر
کیا کروں کہا گت سجنی
پایا کرت پرت ہیں پیّیان
ہم ہاری جیتی تم — کانا
داس مہتاب شام شاما پر

نہیں کوئی سکھیان ہماری
سنو ہے برج کے ناری
تم ہو نپٹ — آناری
نین مارت — پچکاری
نہیں چھاڑت — بنواری
رادھا اوک برج — ناری
اب موہ چھاڑو بہاری
چرن کنول — بلہاری

॥ फागलीला ॥

आजमोरीपतराखोगीरधारी॥सुंदरशाममुरारी ॥
मेंजोअचानकआईखेलनको॥नहींकोईसखियाहमारी
रंगडारोअंगीयाजीनफाडो॥सुनहेब्रजकीना री ॥
अंगियाफाडीबंईयामरोडी॥तुमहोनीपटअनारि॥
अबीरगुलालमलतमुखऊपर॥नेनमारतपिचकारी॥
केसाकरूंकहागतसजनी॥नहीछांडतबनवा री॥
हाहाकरतपडतहेंपैंया॥राधाअटकब्रजना री ॥
हमहारिजीततुमकन्हा॥अबमोहेछांडोबेकहारी॥
दासमेहताबशामशामापर॥चरनकबलबलहा री ॥

ایضاً
۶۲

لال موہ جن مارو پچکاری — بھیج گیٔے تن ساری
کھیلو آپ پرسپر ہل مل — جاؤں تیری بلہاری
ات سے آئی کنور کشوری — اُت سے نول دولاری
دھائیں ایک بار سب سکھیاں — پکری کنج بہاری
چھین مکٹ اور مرلی پتامبر — پہرائی نج ساری
بندی بھال الوسن امبر — نکھ بیسر یک بھاریا
کاجل نین دیی اُویک سندر — متین مانگ سنواری
دیی ہے تاری تنچاوت ناری — کیسے بنی ہو مراری
ابیر گلال اور قمقمہ رنگ کی — مارت سب برج ناری
لی ہون کسر چکاو اون کی — ھین برکھ بہان دولاری
داس مہتاب سر ہی ادھیا — بلہاری گردھاری

॥६२॥

लालमोहे जिनमारोपिचकारि ॥ भीजगइतनसारि ॥
खेलो आपपरस्पर हिलमिल ॥ जाऊंतेरेबलिहा रि ॥
इतसे आई कुंवर किशोरि ॥ ऊतसे नवलदुला रि ॥
धाई एक बार सब सखियां ॥ पकडे कुंजबिहा रि ॥
छीनमुकट और मुरली पीतांबर ॥ पं रा निजसा रि ॥
बिंदी भाल अभुराण अम्बर ॥ नखबेसर यक भा रि ॥
काजल नैन दियो एक सुंदर ॥ मुतीयन मांग संवा रि ॥

देखे तारिनचावतनारि ॥ कैसबनेहो मुरा —— रि ॥
अबीरगुलालऔरकुमकुमेरंगके ॥ मारतसबब्रजनारि ॥
ऐसेहु कसरचुकावारीनकी ॥ मैंब्ररवभानदुला —— रि ॥
दासमहेताबश्रीराधापर ॥ बलिहारीगिरधा —— री ॥

ایضاً ५२

مین تو اب نا کہلون واسے ہوری — کہا گت کینی ـــ موری
ابیر گلال ملو چہتین ـــ پر ـ — اپنی سی کر ـــ چہوری
بہر پچکاری کچن پر ـ ماری — بیچ گئیے تن ـــ ساری
اب کی بار چہیڑو مت موہن — گاری دین ہون جہک جہوری
رنگ مین بہری متوالی بنی ہون — اور بہی ہون ـــ بوری
پہگوا لونگی جانی نہ دونگے — کر ہو لاکہہ ـــ رہ جوری
بلہاری مہتاب ـــ سری ہری — چرن جیت رہو جو ری

॥६२॥

मैतोअबनाखेलुंवासेहोरी ॥ कहागतकीन्हीमोरी ॥
अबीरगुलालमलोछतीयनपर ॥ अपनीसीकरछोडी
भरीपचकारीकुचनपरमारि ॥ भीजगईतनसारि ॥
अबकेबारछेडोमतमोहन ॥ गारीदेहुंझकझोरि ॥
रंगमेभरीमतवालीबनीहुं ॥ औरभईहुंबौ —— री ॥
फगवालेऊंगीजानदेऊंगीकरोलाखबरजोरि ॥

बल्हारीमहतावशाहरी ॥ चिरंजीवरहोजो री ॥

ایضا ۶۳

ہوری آئی دیکہو بہار سی — رنگ کہیلو دلدار سی

ابیر گلال کی بہر بہر مٹہی — رنگ دارو پچکار سی

بہر پچکاری مکہہ پر مارو — پہگوا لیوا وس یار سی

اوڑت گلال لال بہی بادر — کانا ملی سب نار سی

سب سکیان جب ہوری گائین — ناچین گلے مل پیار سی

رادہا کرشن جگل جوری پر — تن من وارین لاڑ سی

داس مہتاب ہری گن گاوی — توڑو موہ سنسار سی

॥६३॥

होरीआईदेखोबहारसे ॥ रंगखेलोदिल्दार से ॥

अबीरगुलालकीभरभरमुट्ठी ॥ रंगडारोपिचकार से ॥

भरपिचकारीमुखपरमारो ॥ फगवालेयोउसयार से ॥

उड़तगुलाललालभयेबादर ॥ कान्हामिलेसबनार से ॥

सबसखियांजु रहोरीगाईं ॥ नाचेंगलेमिलप्यार से ॥

राधाकृष्णजुगलजोडीपर ॥ तनमनवारेंलाड से ॥

दासमहितावहरीगुनगावो ॥ तोडोमोह संसार से ॥

ایضا ۶۴

ایسی کہیلاڑی سینی کہیلوں ہوہ گاری دیت ہی لاکہن مین

گاری کی گاری ٹونا کو — ٹونا
بئیان پکڑو مورا مکہہ بیرت ہی
ملت گلال کچن کے — اوپر
کہا چہب برنون نند لال کی
داس مہتاب کنج گلین مین ||۶۴||

پران لیت ہی باتن مین
بہر پچکاری ہاتن — مین
سدہ نا رہت ہی پاتن مین
دمکی دامنی داتن — مین
بہگوا لیت ہی اتن — مین

ऐसो खिलाड़ी से नारखेलु ॥ मोहगारी देतहै लाखन में ॥
गारी की गारी ठोना काटोना ॥ प्रान लेतहै बातन में ॥
बहियांपकड़ मोरा मुखमीड़तहै भरपिचकारी हाथनमें
मलत गुलाल कुचन के ऊपर ॥ सुधना रहतहैपातनमें
कहा छबिबरनों नंदलाल की ॥ दमके दामिनी दांतनमें ॥
दास महिताब कुंज गलियन में ॥ भगावालेतहै रातनमें ॥

ایضاً ۶۵

لالہ مین تو کیسی کہلونگی ہوری
بئیان مڑوری کالی — دینی
ہاتہہ وار انگیا موری پہاڑی
نینن مین مارت — پچکاری
بہر بہر گاگہر رنگ کی دارت

رنگ دارت سرا جوری
تم ہو نٹی — کہیلاڑی
گلال مارت پہر — چہوڑی
تم ہو نیٹ — اناڑی
انگیان بہیج گیے — ساری

رنگ گلال کی قمقمہ مارت واسن مہتاب دیکہیہ چپ نرکت	۱۱۶۵۳۱	کانا کرسن ـــ مراری گردہر کے ـــ بلہاری

लालामैंतोकेसेरवेलोंगीहोरी ॥ रंगडारत बरजोरी ॥
बेयामरोरीगारीदीनी ॥ तुमहोनयेरवीला ——— डी ॥
हालडारअंगीयामोरीफारी ॥ गुलालमारतभरझोरी ॥
नैननमेमारतपीचकारी ॥ तूमहोनीपटअना ——— री ॥
भरभरघागररंगकीडारत ॥ अंगियाभीजगईसारी ॥
रंगगुलालकेकुंकुमामारत ॥ कानाकृष्णमुरा ——— री ॥
दासमैहताबदेरवछबनिरखत ॥ गीरीधरकेबलहारी ॥

ایضا ۶۶

آج نند لالہ سنگ کہیلونگی ہوری ۔ لوک لاج سب چہور ری
کیسر رنگ کی بہر بہر گاگر ۔ گلال لیہون پہر جہوڑی
آپ کہی پکرین گردہر ـــ کو ۔ کوئی سانول کوئی گوری
مرلی مکٹ پتیامبر چہینو ۔ پیر الویخ ـــ ساری
بندی بہال دی ادنک بہر ۔ متین مانک ـــ بجوری
بہاگوالی اقر جا کی نہ دیسے ادو ۔ سب متوالی ـــ بنوری
جہیرن کی لی اڑگر ـــ سب ۔ وادن کیتو ٹہگوری
آدو کہری بی سنگت کہیلوں کانا ۔ جاون تیری ـ بلہاری
داس مہتاب جان کے گردہر ۔ سکیان متور ـ چوری

॥६६॥

आजनंदलालसेरवेलोंगीहोरी ॥ लोकलाजसबछोरी ॥
केसररंगकीभरभरगागर ॥ गुलाललेहुंभरझो   री ॥
अबोसरवीपकडेगीरीधरको ॥ कोई सांवलकोईगोरी ॥
मुरलीमुकटपीतांबरछीनो ॥ पैरावोनिजसा   री ॥
वींदीभालदेवोनरववेसर ॥ मूतीयनमांगसजो   री ॥
फगवालेवोजानेनदेवो ॥ सबमतवालीबनो   री ॥
चीरह्हारणकीलेवोकसरसब ॥ वादीनकेसोठगो   री ॥
आवोरवेडुमुकून्दतकेवकाना ॥ जाऊंतेरेबलहा   री ॥
दासमहताबजानगयेगीरीधर ॥ सरवीयांमतोरचोरी ॥

ایضاً ٦٧

آج موری سیاں ہی نی بیّاں مروری
پہر پچکاری مکہہ پہ مارت
ہات وار انگیاں موری پہاری
ملت گلال کپول لال سینے
واس مہتاب گرسن کانا ہے

مین تونا کہیلونگی – موری پیا
کینی میری مت – بوریا
لاج کی مارے مرون رہی
نینن ابیر بہر و – رہی
ہاری کہت کر – جوری

॥६७॥

आजमोरीसांवरनेबैयामरोरी ॥ मैंतानारवेलूंगीहोरी ॥
भरपीचकारीमूखपरमारत ॥ कीनीमेरीमतबो   री ॥

हातडार अंगीयामोरीभारी ॥ लाजकीमारीमरूं री ॥
मलनगुलाल कपोललालभये ॥ नैननअबीरभरो री ॥
दासमहेताबकृष्णकानासे ॥ हारीकहतकरजो री ॥

ایضاً

۶۸

مین تو ناہین کھیلون واسی ہوری

ہاتہہ وارا جسرا مورا یہہ اُڑا | اور کھینی برا — جوری
ملت گلال کچن کے اُوپر | کیا کرون ری گوری

نہین مانت بنوا ری

تک تک مکہہ مارت پچکاری | اور میری بیہان — مروری
ایسی لالہ سے نا کہیلون مین | نہنین ابیر — بہروری

دیہہ کے سکے دہرون ری

ایت اوت آیی گوال سب گہیری | کروینی موہ — بوری
لی لیا مٹکی رنگ کی دارث | اپنی سے کر چہوڑ ری

مرون مین لاج سے کے ماری

ہاتہہ جوڑ بنتی بہو گنیے | ایک سنی نا مور ری
ملت گلال کپولن کے اوپر | ایسے کہیلاڑی سی — ہاریہ

کہا گت کینی ہماری

چھیل چھبیلی کنور ——— راو کا | کانانول ——— کشوریا
داس مہتاب شام سیاما پر | بار بار ——— بلہاری
درسن دیو گردھاری

॥१६८॥

॥ मैतो नाहीखेलुं वासेहो री ॥
झालझार अन्धेरा मोरा कांडा ॥ औरकीनीबरजो ——— री ॥
मलकगुलालकूं बनके उपर ॥ कैसा करूंरीगो ——— री ॥
॥ नहीमानतबनवा ——— री ॥
तकतकमूरखमारतपी चकारी ॥ औरमेरीबैंयामरोरी ॥
ऐसेलालासे नाखेलूं मैं ॥ नैनन अबीर भरो ——— री ॥
॥ औरकैसे केभरोरी ॥
इतउत आयग्वालसबघेरे ॥ करदीनीमोहेबो ——— री ॥
लेलेमटकीरंगकीडारत ॥ अपनीसीकरछो ——— री ॥
॥ मरूंमैंलाजकीमारी ॥
हातजोडबिनतीबहूकीनी ॥ येकसूनीनामो ——— री ॥
मलतगुलालकपोलकेउपर ॥ ऐसेखिलारिसेहारी ॥
॥ काज्ञातकीनीहामारी ॥
छेलछबेलीकूंवरराधीका ॥ काननवलकीशो ——— री ॥
दासमहताबशामशामापर ॥ बारबारबलहा ——— री ॥
॥ दरसनदेवोगीरधारी ॥

ایضاً ٦٩

آج پیا بلم رہے کنجن مین

ساری رین موہ تلپت بیتی | نیند نہین نینن مین
جاؤ سکھی سدّہ لیو پیا کی | ڈھونڈو کہین کنج بن مین
گوکل سب بندراین ڈھونڈی | ڈھونڈ پھرے مادھوبن مین
داس مہتاب سری رادہا کو | چین نہین ہی من مین

॥ आजपीयाबिलमरहे कुंजेनमे ॥

सारीरैनमोहे तलपतबीती ॥ नींदनही नैनन मे ॥
जावोसखीसूधलेवोपीयाकी ॥ धूंडो कहींकूंजबनमें ॥
गोकुलसबब्रींदाबनधूंडी ॥ धूंडफीरीमाधोबन मे ॥
दासमहेताबश्रीराधाको ॥ चैननहींहै मन मे ॥

हिंडोलालीला

ہنڈولا لیلا

ہنڈولا جھولت گردہر راج

چندرا بلی بہ راکہ للت | رادہا جھولاوت آج
سکھیا بر نو جیب ہنڈالا کی | کیسو رچے سماج
رتن جٹت گوشو بھی ہنڈولا | متیش گو سب ساج
داس مہتاب جھولات سکہیا | سری رادہا برج راج

रतनअमोल बनो है हींडोला ॥ डोरी लगी जरतारी जी ॥
न्हीनन्हीने बूंदीया मेहा बरसत ॥ पौंन चलत चहूं ओरी जी ॥
अंबुवा की डार कोयलीया बोलत ॥ महेक रही फूलवारी जी ॥
भीने भीने झोका देत सखी सब ॥ हस हस दे दे तारी जी ॥
दास महताब जूगल जोरी को ॥ नीरख नीरख बलहारी जी ॥

ایضاً

آج سکھی جھولت کنج بہاری

رتن سنجگت ہنڈولا ـ سوہے ــ سنگ برکھ بہان دولاری
شام گھٹا رادہا بجلی ــ سی ــ سب سکھیاں ــ پھلواری
بوندن بوندن میہا برست ــ پون چلت ــ جھکاری
چھوٹی چھوٹی جھوکا دیت بساکھا ــ جھولت مدن ـ مراری
کبہی رادہا کبھی شام جھولاوت ــ ہل مل پیا ــ پیاری
جھریاں پوسب ــ ایسے ــ بھیرسدن بھی ــ بہاری
داس مہتاب سام شاما پر ــ ہوت سدان ــ بلہاری

॥७५॥

आजसखी झूलत कुंजबीहारी

रतन संजुगत हींडोला सोहै ॥ संग वृखभानदुला री ॥
शाम घटा राधा बीजरी सी ॥ सब सखीयां फूलवा री ॥
बूंदन बूंदन मेहा बरसत ॥ पौंन चलत हितका री ॥

[illegible]धमल्हारगातब्रजबाला॥ चंद्रावलललता — री॥
छोटेछोटेझोकादेतबीसाखा॥ झूलतमदनमुरा — री॥
कभीराधाकभीशामझूलावत॥ हीलमीलपीयाप्या री॥
[illegible]बीमानेदेवसबआये॥ भीरसूरनभईभा — री॥
दासमहताबशामशामपर॥ होतसदाबलहा — री॥

ایضاً

۷۶

ہنڈولی جھولت شام پیاری

سنا چکر گر گدا — براجت
اور مکٹ پر — باری

گل متین کی مال — براجت
کنڈل کی — چھب — نیاری

کھابر نو جیب بانکی الالہ کی
ویسی ہی منول — دولاری

کوٹ ربی سبھی سوت پچھاویں
اوپما کون — بچاری

تال مردنگ بجاوت بینا
آت میر بین — للتاری

گاوت راگ ملہار سکھی سب
ناچت وہی — تاری

کوئی سکھی عطر اپیرا لگیا —
کوئی سکھی چار سنگاری

کوئی میوہ پکوان مٹھائیے
کوئی لے کر — جھاری

کوئی کھلاوت پان بانکی
کوئی چمر لیئے ٹھاری

بل جاوت مہتاب شام پر
اور بر کھہ بہیان — دولاری

॥७६॥

हींडोलासूलतशामप्यारी

शंखचक्रकरगदाबिराजत॥मोरमुकटपरवा री॥

गलमूतीयनकीमालबीराजेत॥कूंडलकीछबन्यारी॥

काःवरणूछबबांके ललाकी॥वैसीहींनवलदुलारी॥

कोटरबीशसीहोतनीछाबर॥उपमाकोनबीच्यारी॥

तालमीरधंगबजावतबीना॥अतपरबीनललतारी॥

गावतरागमल्हारसखीसब॥नाचेतदेदेता री॥

कोईसखीईतरअंबिरअरगजा॥कोईसखीहारसींगारी॥

कोईमेवापकवानमिठाई॥कोईलीयेकरझा री॥

कोईखीलावतबीरयांपानकी॥कोईचवरलीयठारी॥

बलजावतमेहताबशामपर॥औरव्हखभानदुलारी॥

ایضاً

۷۷

تو برس بدلیا واہو دیس — جہان پیا کو — پردیس

چمکت بجلی ڈہرکت چہتیان — پیا چہائی — پردیس

لگا ہی کوک سناوت پاپیہے — جہم جوگن کو — بہیس

کبہی سوتن بیدرن ہہری — واہ سنا او — سندیس

واہ مہتاب پیا کب آوین — اوجل ہو — گئے کیس

सूरकीनरगंधारप अपसरा॥ नाचतगावतदेदेता रि॥
चंदरमुखीचंद्रमाठाजे॥ रवंजननेत्र कंवलरसना री॥
गौर अंग आभूशण नाना॥ चीरसुरंगतनपर जरता री॥
शोभावरण सकेनही कोउ॥ रवीचंद्र कोटनवलेहारी॥
सबसंखीया अवतार देवसुर॥ शामकूंवरपरहो बलवारि॥
तीनबसकीयेकृष्णकान्हासे॥ त्रैलोकीकेनाथमुरा री॥
रासबिलासहुलासबहूकीनो॥ लीला अपरंमारन्या री॥
ब्रजआनंद बैकुंठसपननही॥ यहसूखकीराधा अधिकारी॥
दासमहताबशामरासासी॥ भगतदानमांगतयकभारी॥

جنم بدھائی رادھکا پیاری ۸۰ پرگھٹی گھر برکھبھان دلاری
آنند برکھبھان آنند ات بار بار کیرت — بلہاری
برج کی بدہو سب لائیں بہاوا ناچت گاوت بجاوت تاری
کاہو دیتی ہیرا — سنگ تاتے مات دیوت جھیرباری
تیز رنگ آبوسن بانا دیوت سنہری گگر زرباری
دیت اسیس قن نیو سرتیز ہوتیں بہت خوش جسودا کشوری
داس مہتاب بخشیو دان کنت بہکتی سہت — کا سدا پیارے ॥८०॥

जन्मबधाई राधीका प्यारी॥ प्रघटे घर ब्रखभानदुलारी॥
आनंद ब्रखभान आनंद अत॥ बारबारकीरतबलहारी॥
ब्रजकी बधू सबलांथि बधावा॥ नाचत गावत बजावत तारी॥

काहूमोतीहीरामानक॥तातमातदेवतभरथा ...जी॥

बस्त्र अनेक अभूषणनाना॥देवलसब ...॥

देत असीसदेवस्करकीनर॥कोरवरर जीयोशाम ...शारी

दासमहताबनीछा रमा ...गत॥भक्तिसहेतव...नासार॥

ایضاً

۸۱

بدھائی برکھہ بہان کو دیجی

جنم لیئو سری کنور راد ہکا کا — تن من ارپن — کیجی

چندر مکھی چندا سی اوتم — کا مدیو مکھہ — سیجی

سندرتائی تین لوک کی — سب جہی نچہاور — کیجی

کیا برنجیے کنور — نویلی — جو دیکھی سو — ریجی

یہی اودہار برکھہ بہان کیرلی — جو چہا ہو سو — لیجی

برگھٹو رتن امول اہولک — سہاگ برایئے — کیجی

چلو چلو لی چلو — بدہاوا — دیکھہ دیکھہ سکہہ لیجی

داس مہتاب رس سنرلی دہا — جی مرت رس پیجی

॥८१॥

ब... दीजे

जन्मलीयोश्री...राधीका॥तन...अरपन...जे॥

चंद्रमुखी...॥कामदेव...रवमी ...॥

सुंदरताईतीनलोक...॥सबहीनीछावर... ॥

काहबर्णछब...बरनवकी॥जोदेर सोरी जे॥

अथउधारग्रबभानकीरती ॥ जोन्याहोसोली —— जे॥

अधरेरतन ग्रामोल ग्रमोलक ॥ भागबडाईकी —— जे॥

चलोचलोलेचलोबधावा ॥ देरवदेरव सूरवली —— जे॥

रासमहतावंदरसश्रीराधा ॥ है ग्रमृत रसपी —— जे॥

بیتاگ لیلا سکھیان

۸۳

آری سکھی جیانا وہرت مورو ہیر

الیی سنی متھراکو — سوہرن
راتِ جاینگے — بیر

آئی اکروریکی — سندراین
لاکو لکھی — تیر

گہری گہری پل پل کلنا پرت ہی
پہر کین لاگو — سریر

کیسی جیونگی بن سوہرن کے
کہا سنی چھون ہیاپیر

کانا پرت نکیں ناوکھے
بچہرت ہلدھر — بیر

ترپت ہون کب کرون تمالی
انکھیان چھوٹ — نیر

واسن متیاب مٹی کھیی
کب آوین بل بیر

॥८३॥

॥ अथबैतागलीलासरवीयां ॥

अरीसरवीजीयानधरतमोराधीर ॥ ग्रैसीसुनीमथुराको मोहन ॥ प्रातजांगेबीर ॥ आय ग्रकूरसुनीब्रींदाबन लागोकलेजेतीर ॥ घरीघरीपलपलकलनापरतहै॥ कछुक नलागोसरीर ॥ कैसीजीवोंगीबीनमोहनके॥

काहांसे कहूं हीयापीर ॥ कलुनापरत पक छीननादेखे
बीछुरत हलधरबीर ॥ तडपतहूं कैसाकरूं आली ॥
अखीयां बहेवतनीर ॥ दासमहताबमीटे दुखकैसे ॥
कब आवें बलबीर ॥

ایضاً
۸۳

من سی موہ نہ پیاری پیاری
تم بنا موکو کل نا پرت ہی
آری بدہ نا بچہرت گردہاری
یہ جیون دکہہ واسی ہم کو
پاپ تمی بچہرن دکہہ عالی
چہوٹت ہین جسم سی بنواری
تکت کیون نہین پاپی جیورا
پہر صورت دیکہیں اُو سومین
یہہ ہی برانگت درسن دیو

سب جگ کی — اوجیاری
بنا جل مین کناری
نکسین نہ پران ہماری
آوی جو موت سکاری
جو یہ جیو — سدہاری
اب کہو کون سہاری
کیون موت دکہیاری
جیسے دی میٹہ سدہاری
داس مہتاب پوکاری

॥८३॥
मनसेमोहनेबीसारीयोप्यारे ॥ सबजगके उजीयारे ॥
तूमबीनामोकोकलनापरतहै ॥ बीनाजलमीनकीनारे
अरेबीधनाबीछुरतगिरधारी ॥ नीकसेंना ः प्रानह्मारे ॥
यहजीवनदुखदाईहमको ॥ आवेजोमौतसका रे ॥

داس مہتاب ملن کی آسا ॥८४॥ تاسے پران گھٹ سائی

अरीसखीब्रजमे उधोजी आये ॥ संदेसाश्रीमाधोकालाये
चलोचलोर धलेवोपीयाकी ॥ काह्होतबबरा ये ॥
ज मनातीरमीलीसबसखियां ॥ उधोजीनीकटबुलाये ॥
पूछतक्षेमकुशलकानाकि ॥ कहोउधोमनभा ये ॥
सु नउधोजीपत्रसुनाये ॥ लीखलीखजोगपठा ये ॥
ले जावोकूबजाकोदेवो ॥ जीनउन्हे नाचनचा ये ॥
हम अबलाकाहजानेजोगको ॥ देवोजिनमनअधिकाये ॥
येक मनहमरो अटकोशामसे ॥ माननतनहीसमझ ये ॥
कहीवोमिलैं आयगिरधरको ॥ तपतनजायबूझा ये ॥
उधोतपतमीठे तबमनकी ॥ मीलहैंनंदकेजाये ॥ सांची
प्रीतदेखगोपनकी ॥ उधोजीबहोतलजाये ॥ कहततूमे
मीलहैंगीरधजू ॥ प्रेमप्रीतगुनगाये ॥ दासमहताब
मीलनकीआसा ॥ तासे ॥ प्रानघटमा ये ॥

ایضاً

۸۵

ہمیشہ یاد آتا ہر گھڑی گوکل وہ بندابن
نین بہاتا ہی جیہ یکو شیوای برہا و نین
حقیقت برج کی جسوقت اودہو سے سنی حضرت نی

نہ خوش آتا ہے خواب خور نہ خوش آتا چمن گلشن

وہی صحبت وہی الفت گلے و پیار سے ملنا

سدا ہی دل میں بستا ہے مری گلزار گوبردھن

نہیں جاتی ہے بھولی راس لیلا ایک گھڑی پل بھی

وہی گانا بجانا ناچنے کی ہے سدا یک دھن

جدائی شاق ہے دل کو مگر وصلت سے بہتر ہے

گھڑی پل پل وہی لحظہ اور سوق ساری دن

مزا الفت کا جو چاہو تجھ فرقت نہیں - ملتا

اٹھا دو دوئی کا پردہ تو دیکھو صاف اپنی تن

اگر و کچھ صرا ای مہتاب دل کو دل سے نسبت ہے

کوئی دن ایسا ہوگا کہ خود ظاہر میں ہو درشن

॥४५॥

हमेशा यार आता है घड़ी गोकुल वो : बींद्राब न॥

नही भाता है कूछ हमको सीवाय सैरमा धोब न॥

हकीकत ब्रजकी जी सब क्त उधोसे सूनी हम ने॥

नखूश आता है खाबो खूरन : खूश आता चमन गुलशन॥

वोही सो : बत वोही उलफत गले और प्यारसे मीलना॥

सूदामी दील मे बस्ता है मेरे गुलजार गोबरध न॥

नही जाती है भूली रासलीला येक घड़ी पल भी॥

वोही गाना बजाना नाचनेका है सदा येक धं न॥

जुदाई शाक है शीलको मगरवसलत सैहै बे: तर है ॥
घड़ी पलपल बोही है लरव लरवा: श्रोरशोकसा बेरी न ॥
मजा ढलफः काजो चाहोव जूजपू: रकतनहीं मील जा ॥
उठा दो दूई का परदा: तो देखो साफ श्रपने त न ॥
करो [illegible] सबर श्राय म [illegible] हालको शीलसे नीसबत है ॥
कोई दीन श्रैसा होवेगा के खूद जाहिर मे हो बरश नू ॥

ايضاً

۸۶

آری سکھی بیتہ بسرائی شام

آونکی خبر نا – لینے ۔ بہی کوبری – دھام
بس کر لینی موہن پیاری ۔ کبجا اٹھو – جام
کون جاپ کیری پی – کینو ۔ تاگی ہمین – گھنشام
یک چیری لبس گینے – کانا ۔ جیون ہم کیا – کام
پریت کری کیٹی نرو ہلی سے ۔ بہی جگت بد – نام
کیا کرون چین نہین جیا کو ۔ چیری ہون بن – وام
جاون سے ٹھہر الگئی گر وہر ۔ سو لی ہیو تم گرام
داس مہتاب کرو کچھ اپای ۔ ملین شام – بلرام

८७॥

॥ सखीरी काहूसे कहूं दुख अपना ॥

आपतो जाय द्वारका बैठे ॥ हमको लगाय घुर ना ॥

कैसे कठोर भय दासन से ॥ चाहत हूं यही लीख ना ॥

जा दीनसे मोहे तजे प्यारे ॥ सूख जानत हूं सप ना ॥

वोही नाम अधार जीवन है ॥ घडी घडी पल पल रठ ना ॥

मम कपार जो हरी ब्यांरीने ॥ लीख लीखा है जीत ना ॥

लीखी ललाट मीटे नही बीधना ॥ जतन करो कोई कीतन ॥

बसमन मे अब यही बसत है ॥ मोहन मोहन जप ना ॥

दास महताब चरन गीरधर के ॥ हीयामे अपने रखना ॥

८८

آئی پیا بن برہ کی رتیاں

کیا کروں سکھی جیا ترپت ہے
دہکت ہیں دوؤ چھتیاں

بیتی رین چین نہیں منکو
نیر بہت دوؤ انکھیاں

کوئی بیرن بس کرلینی پیا کو
نا ہی بولائیں سرتیاں

داس مہتاب پیا کب ملیں ہیں
کب کریں کچھ بتیاں ॥۸۸॥

॥ अजी पीया बैही बैर नहमे रतीयां ॥

कैसा करूं सखी जीया तरपत है ॥ धहे कत है दो ऊ

छुतीयां ॥ बीती रैन चैन नहीं मनको ॥ नीर बहत दोउ

अखीयां ॥ कोई बैरण बस करलीनी प्यारे ॥ नासे भू:

लाई सूर तीयां ॥ दासमहताब पीया कबमीलहैं ॥ कब करहै कछु बतीयां ॥

ایضاً

۸۹

پیاری پیا کیسے کٹیں دن رتیاں

جب سے گئی کبھی سدھ نا لینی — لکھ لکھ ہاری — پتیاں

گھڑی گھڑی پل چھن کل نا پرت ہے — یاد کروں تورے — بتیاں

لے لے سانس تڑپت ہوں لمبے — کر کر تورے — سرتیاں

کب آوین مہتاب پیا گھر — رو رو پھوٹت — انکھیاں

॥ प्यारेपीयाकैसे कटै दीनरतीयां ॥

जबसे गयेकभीसूधना लीनी ॥ लीखलीखहारीपतीयां ॥ घडीघडीपलछीनकलनापरतहै ॥ यादकरू तोरीबतीयां ॥ लेलेसास तरपतहूं लंबी ॥ करकर तोरीसूरतीयां ॥ कब आवे महताबपीयाघर ॥ रोरोफूटत अखीयां ॥

ایضاً

۹۰

اجی پیا کیسے بھولائیں سُرتیاں

آوت ہی کبھی رین چین نہیں جیا کو | بھر بھر آوت — چھتیاں

کیسا اب کروں کہا گت سجنی — کل نا پرت گئی ۔ رتیاں
پھولن پھول سیج بچھائے — تھکت تھکت بھئیں ۔ انکھیاں
او کہو مہتاب پیا سے — باری باری جاؤں کرو بتیاں

۹۰

॥ आली पीयाबिके सी भूलाई सूरतीयां ॥

अधी बही रैन चैन नहीं जीयाको ॥ भर भर आवत छेतीयां
कैसा अब करूं का: गत सजनी ॥ कलनापरतगई र
तीयां ॥ फूलन फूल सेज बीछाई ॥ तकत थकत भई
अंखीयां ॥ अवो कहो म,,हताब पीयासे ॥ बारी बारि
जाऊं करूं बतीयां ॥ ایضاً

۹۱

چاندنی رات پیاری پیاری لاگی ری

کیسا کروں ری سکھی کل نا پرت ہی — برہا ستاوتی موہ بیتی رین جاگی ری
چن چن کلیاں سیج بچھائی ری — پیا نہیں آئی مورو جیا دینہ تیاگی ری
ایسو کوئی جتن کرو میری سجنی — پیا دیگ آوین مورے جیا دکھیہ بہاگی ری
بار بار مہتاب پیا پیاری سے — اب نا بسارو چہا نروینہ بہاگی ری

॥ चांदनी रात प्यारी प्यारि लागेरी ॥

कैसा करूं री सखी कल ना परत है ॥ बीरह सताबे मोह बीती
रैन जागेरी ॥ चून चून कलियां सेज बीछाई री ॥ पीया न
ही आवे मोरा जीया देह त्यागेरी ॥ ऐसो कोई जतन करो

मेरीसजनी ॥ पीयाड़ीगआवेमोरेजीया सूखभागेरी ॥ बारबारमहताबपीआप्यारीसे ॥ आबनाबीसारोछाड़ोय होबरसानेरी ॥

بارہ ماسی پہلا

۹۳

بہادون پہلا پاک اشٹمی سوہن جنم لیئے
برج چوراسی بھوم سکل مل منگل چار کیئی
سنت خبر سندر امی مگن سبے آنند انسماتی
لاکھی کیئی لیئوان پوربک بہت بہت دیئی

بہادون پہلا پاک

۲ کنوار

کنوار ماس سنیئے گنیس ترامی ان متھیر اجنم لیئو
کھان پان سب سدہ بسرائی دشٹن منتر کیئو
آئی پوتنا آگا لکا سراسرن دکھہ دائی
کاگاسر بیسی دیت بکینہ دہام دیئو

بہادون پہلا پاک

۳ کارتک

جمنا نہادون چلین سب سکھیان الیہ کارتک ماس
چیرہرن اس کیئو کینو ہوان کیئی سب آس
گوبردہن نرانگری دہا او برج کو دیکھہ ہو داس
گرب ہرن اندر کو کینو او رکھیئو راس بلاس

بہادون پہلا پاک

٨ چیت	بہادون پہلا پاک چیت ماس اُدّھو جی آپی لکھہ نہ بھیجے پاتی لکھہ لکھہ جوگ پہٹ لئی ہم کہو سہاٹ پھہاتی ہم ابلا کیا جانیں جوگ کو دیو بجہا سونی جن ہمری موہن بس کینی جوبن مد ماتی	
٩ بیساکہ	بہادون پہلا پاک لاگت ہے بیساک تپت بیہد انگ انگ بھاری جوگن ہمیں کینی تم کارن دیکہو گردھاری ترپت ہین بیاکل سب سکیان چین نہین مہیں آؤ تپت بجہاؤ کرو ہر واونل بہاری	
١٠ جیٹھہ	بہادون پہلا پاک جیٹھہ ماس نار جے ائی مانگی ایک ناری جہاں نہین ہم محل اتاری بلی وہ ہی پیاری جہاں دیکہو تہاں آپ براجت لاجت برم چاری ویسی ہے کرپا کرو برہین پر آؤ ایک باری	
١١ - اساڑ	بہادون پہلا پاک اسا ماس جانسی دوار کا دکہہ ابجو بہاری داو رمور پپّیا بولت کویل است نیاری کاہی کوک سناوت بیرن ہم برہ مد ماتی جا ئی کہو سندیس ہمارو موہن گردھاریا	
١٢ سروان	بہادون پہلا پاک ساون ماس ملن کیے آسا سنو سکہی پیاری	

داون وار سندو لی ڈارو آوین سنواری
جوبهت لای گالی چیت من سے یہہ بارہ ماسی
داس متہاب یو رین آسا سو مین کر وہاری
بہادون پیلا پاگ

॥१२॥

॥ बारामासी लीला ॥

भादोपहेलापाक अष्टमीमोहन जन्मलीये ॥ ब्रिज चौरासीभू
मसकल मालमंगल चारकीये ॥ सूनत खबर नंदराय मगन
भये आनंद उरन समाय ॥ लाखकीये गउदान पूरबक संपतब
होतरीयो ॥ भादो पहेपीक ॥ कुवांर मास सुनीकंसरायनेमथुरा
जन्मलीयो ॥ खानपान सब सूधबीसराई दुष्टन मतोकीयो ॥ आ
ई पूतना अकाबकासुर असुरन दुखदाई ॥ कागासुरकेसीसेदैप
तबैरकूं धामदीयो ॥ भादोपैह लापाक ॥ जमना न्हावन चेलीं सब
सखीयां आयो कार्तमास ॥ चीर हरन रास बहु कीनोपूरणकिये
सब आस ॥ गोबरधन कर अंगुरी उठायो ब्रिजको देख उदास ॥
गरबहरणई दूकोकीनो औरकीयो रासबिलास ॥ भादोपहेलापाक ॥
अघनमास दद दूद चुराकर गोरसकीयेहानी ॥ घाट बाटमे रोकन
ठोकहे जल जमुनापानी ॥ कुंजगलीनमे दानलेत ददसारखनगो
पनसे ॥ कहतगोपिका आज सुने तुमनये भयेदानी ॥ भादोंपहला ॥
पूसमास सरदी भई भारी कंसको त्रासभयो ॥ कंवल फूल मंगवा
ये नंदसो कालीधः सेकहो ॥ जमना धः सकालिकोनाथानंद
दुख दूर कियो ॥ लाखों फूल पठवाये कंसको देखत धरनीपडो ॥
॥ भादोपहला ॥ माघमासरंगभूमबनाई असुरनमसोकीयो ॥

नंदसुतन लावनके कारण अक्रूरबीदाकीयो ॥ जायकु बलीयां गजको मारो मलनजु धःकीये कंस सहेत सब भ्राता मारे असुरे बरबबलीयो ॥ भारोपेहला ॥ फागुन रंगकु बजासंग खेले कंसरा मरासी ॥ यहदुख हमसे सहोन जाखतासेउदासी ॥ सोलासहस्र आठपठ राणीतीनसे बेहाकीयो ॥ कोनभांत बींद्राबन आवे डारगले फांसि ॥ भारोपेहला ॥ चैतमास उधोजी आयेलीखभेजपाती ॥ लिखलीख जोग पठा येहमको पारत हैं छाती ॥ हम अबला काहाजाने जोगको देवकुब जासंवती जोनहमरे मोहन बसकीने जोबनमदमाती ॥ भारोपेहला ॥ लागतहीं बैसाकतपत भई अंग अंग भारी ॥ जोगन भेसकी ने तुम कारण देखा गीरधारी ॥ तडपतहैं व्याकुल सब सखीयां चैननहीं मनमें ॥ आवोतम्र बुझावो गीरधर दावानलभारी ॥ भारोपेला ॥ जेठमास नारदजी आये मांगे येकनारी ॥ जाहांनही हममहेल अटारीलेवोवोही प्यारी ॥ जाहांदेखो ताहां आपबीराजे तलाजत ब्रम्हचारी ॥ वहसी कृपा करो बिरहनपर आवो येक बारी ॥ भारोपेला ॥ आशाढ मास जाबसेद्वारका दुखउपजो भारी ॥ दादरमोरपपैया बोलत कोयल नन्यारी ॥ काहेकूकसुनावत बैरण हमीं ब्रहामदमाती ॥ जायकहो संदेस हमारो मोहन गिरधारी ॥ भारोपेला ॥ सावनमास मीलनकी आसा सुनो सखी प्यारी ॥ डारों डारहींडोले डारो आवें बनवारी ॥ जोहीतलाये गाये चीतमनसे य:बारामासी ॥ दासमेहताब पूरेहैं आसा मोहन गि.रधारी ॥ भारोपेहलापाद ॥ ७ ॥ ॥

۹۳

موکو چھانڑ گئی گردھاری
کیا کروں ری سکھی پیاری

۱
آساڑھ ماس بدرا گھن آئی — چمکت بجلی نیاری
کوئل کوک سناوت بیرن — سوچ کروں من بھاری
موکو چھانڑ گئی گردھاری

۲
ساون ماس ہنڈولا جھولین — آون کہی گئی بھاری
جا ہی بسی کبری سوتن گھر — کنس راہی کی چیری
موکو چھانڑ گئی گردھاری

۳
بھادوں اندھاری کچھو نہیں سوجھے — ٹھاکت کیتا کروں ری
برہا ستاوت نیند نہیں آوت — اودھو اوٹھہ کہت پوکاری
موکو چھانڑ گئے گردھاری

۴
کنوار ماس گنگت آئے — پتر دیو سنج کا ری
آیو دسیرہ سبھی سکھ مانت — ہم سکھہ کون بچاری

موکو چھانڑ گئے گردہاری

۵

کاتک سکھی اب آئی دیوالی — دیت دیا سب ناری
ہم رہی دیواری کیتا گھر جالی — شام تھان گھر باری
موکو چھانڑ گئے گردہاری

۶

اگہن ماس سردی بھی بھاری — پیا کل سب ناری
تھر تھر دیہہ کمپت ہے نیاری — گھر بدہ جانئے بیماری
موکو چھانڑ گئے گردہاری

۷

پوس ماس اب پالا پرت ہے — پیرانگ تیہے نیاری
برہ مائی ملکھ بات نہ آوت — بہرون برہ بیگ ماری
موکو چھانڑ گئے گردہاری

۸

رت بسنت ماگھہ کو مہینا — چین نہ جیا دہری رہی
امو اموری تیسو پھولے — پھول رہے نانا پھلواری
موکو چھانڑ گئے گردہاری

۹

پھاگن ماس سب ہی رنگ کھیلن — گھر گھر پیا پیاری
ابیر گلال کون پر وارون — آئی نہین شام مراری
موکو چھانڑ گئے گردہاری

۱۰

چیت ماس جیت بیاکل سیجے — گھام ہوت ات بھاری
جیبا جرت چھتیاں دہرکت ہین — بجھانہ جات بساری
موکو چھانڑ گئے گردہاری

۱۱

بیساکھہ ماس جوگن بن بیٹھے — گیلی دہرد ہرون رہی
چین نہین تلپت پل پل چھین — اپنی پیا کی کاری
موکو چھانڑ گئے گردہاری

داس مہتاب جیٹھ کومینا آوین کنج سبھاری
تپت بجھی سیتل ہوجاتی پکرین بہیا نپنہ ہماری
موکو چھاڑ سے گئے گردھاری

॥९३॥

मोको छाड गयेगीरधारि ॥ कैसेकरूं रीसखीप्या — रि ॥
आशाढमास बदरा घन आई ॥ चमकत बीजलीन्या — रि ॥
कोयल कूक सुनावत बैरण ॥ सोचकरूं मनमा — री ॥
मोको छांड गयेगीरधारी ॥ सरावनमास हींडोला झू — ले ॥
आवनकहि गयेबिहारी ॥ जायबसे कुबरीसंवतनध — र ॥
कैसरायकीचेरी ॥ मोकोछांड गयेगीर धा — री ॥
भादों अंधीयारीकछूनहीसूजे ॥ कहागत कैसेकरूं — रि ॥
मींहा सतावत नींदनहि आवत ॥ उठउठ कहत पुका — री ॥
मोको छांड गयेगीरधारि ॥ कुंवारमास कनागत आ — ये ॥
पातरदेवनि जकारी ॥ आयोदसेरासभीसुखमान — त ॥
हमसूखके न्यारी ॥ मोको छांड गयेगीरधा — रि ॥
कारतक सखी अब आईदीवाली ॥ देतदीया सबना — रि ॥
हमरीदिवारी कूबजा घर जागि ॥ शामतहां घरबा — री ॥
मोकोछांडगयेगीरधारी ॥ अघनमास सरदीभईभा — रि ॥
व्याकुल सब नरनारि ॥ थरथरदेह कांपतहै न्या — रि ॥
कहीव धजाये समारि ॥ मोको छांड गयेगीरधा — री ॥
पूसमास ईतपाला पडतहै ॥ पीर अंगहै न्या — री ॥
ब्रह्मातीमुख बालन आवन ॥ फीरूं ब्रहकीमा — री ॥

मोको छांड गय गीरधारी ॥ रूत बसंत माघ कोमही ना॥
चैनन जीयाधररी ॥ अमूवामोरके सुफूले ॥ फूलरही नानाफूलवारी ॥
मोको छांड गयेगी धारि ॥ फागनमास सबही रंगरबे लें॥
घरघरपीयाप्यारी ॥ अबीर गुलाल कौनपर डा रू॥
आयनहीश्याममुरारी ॥ मोको छांड गयेगीर धा री॥
चैतमासम्बीतल्याकूल सजनी ॥ घामहोत अतभा री॥
जीयाजरत छेतीयां धरकतहैं ॥ बीज नान जात बीसा रि॥
मोको छांड गयगीरधारी ॥ बैसाखमास जोगन बन बे डी॥
के सोंके धीरधरूंरी ॥ चैननही तलपत पलपल छि न॥
अपनपीयाके कारी ॥ मोको छांडगयेगीरधा री॥
दासमहेताब जेठकोमहीना ॥ आवे कूंजविहा री॥
तपत वृक्ष सीतल होछाती ॥ पकरें बाहें हमा री॥
मोको छांड गय गीरधारी ॥ ७७ ॥ ॥

من چتیا ولی

۹۴

منوا بھجن کرو دن راتی
تات مات ست بندھو نا اپنا
سو یا پراوت گنگا - تن سنگی
ساوہن کی من رام بست بیتی
جو لکھی ہر نام نہ انگ گے

کوئی نہیں تمرو - سنگاتی
کھات پیت کی - ساتی
کات سادھو - بھاتی
سنگت کرو رنگ - راتی
دو لکھہ پراو - تاتی

سیوری اہلیا میران - بائی
رام نام کو راون لیسرو
ایک لاکہہ ست بند ہوگواؤ
ایک بیہین بات لواؤ
منس دیہہ درلب جگ ماہین
اسبکے بار جو بہولی سر کو
ولسیے ڈرو ڈرو منت کا ہو
مایا کسیو ... کی - پیاری
رنگ راگ اور کہیل تماشا
کام کرو وہ موہ مد مجہہ
جو ہر بہجی ہری کو - پیا رو
داس مہتاب چرن ہری مین لیے

رات دیوس گن گا - تی
جن گھر دیا نہ - باتی
راج پات بہو - ناتی
پاو سلیبت — ملی
بار بار نہین — آتی
چو راسی - پھر پاتی
جوب کی گھٹ - باسنتی
منت بد سب کہو - جاتی
ہر کہری نیٹے نمٹے - لاتی
یہہ سب مین کی - گھاتی
مور کھہ ہو کم - داتی
بھائی جسم کی جہا - تی

॥ ६४ ॥

॥ मनचेतावनी ॥

मनवाभजनकरोदीनराति ॥ कोईनहीतुमरोसंग ती ॥
तातमातसुतबंधुना अपना ॥ खातपीतकेसा ती ॥
मुखापडावतगएकातीरगई ॥ गातसाधबहुभा ती ॥
साधनकेमनरामबसतहै ॥ संगतकरोरंगरा ती ॥
जोमुखसेहारनामननीकसें ॥ वोहमुखपडोयोमा ती ॥
सोखरीआहीत्यामीराबाई ॥ रातदिवसगुणगा ती ॥
रामनामकोरावनबीसरो ॥ जीनघरदीयालबा ती ॥
येकलाखस्तबंधुगवांयो ॥ राजपारबहुना ती ॥
येकबभीछेनमाझनवायो ॥ पायोसंपतहा ती ॥
मनुशदेहदुरलभजगमाहीं ॥ बारबारनहीआ ती ॥

आनकीवार जोभूले हरको ॥ चौरासीफिरपा ती ॥
वासेढुरोड रोमतकोहु ॥ जोसबके घरबा सी ॥
मायाकुरनीहारकीप्यारी ॥ मतबुदसबरवोजा ती ॥
रंगराग औररखेलतमाशा ॥ हारघड़ी नयेनयेला ती ॥
काम क्रोध मोह मद मछेर ॥ यह सब मनके घा ती ॥
जोहारभजोहारीकोप्यारो ॥ सुररव होकमजा ती ॥
दासमहेताब चेरणहारीमनके ॥ फाटे जमकी छा ती ॥

ایضاً

٩٥

آري من ادھا کس کھوري

مات پتا ست بندو کتنم سب — مایا کرو دہ تجو ـ ري
سکھہ سمپت اور دنیا دولت — کوئي نہین منمین ـ لجوري
یاد کرو وہ دن کي مور کھہ — من ترنگ ـ بسجوري
آٹھہ پہر ملیا کي بستہ — بیتي عمر ڈرو ـ ري
دو لوین کھوئي غفلت مین — اب تو بھجن کرو ـ ري
ناگرو سیوا بھگت دان کچھو — لب اب ڈوب صرور ري
لکھہ چوراسي جنتو ـ جاہي — کرین کو نام ـ کمھوري
یہ تن بہت کٹھن سي پایو — باپ سي دو بھوري
کہتا کبیر تن سنگت سادھو — سر چرنون سي لیئي دھہر دري

॥ ६६ ॥

ग़फलत छोडो मेरे भाई ॥ होगी जमकी चुड़ाई ॥
सारि उमर खेलमे खोया ॥ नाक छु सुध आई ॥
माया मोह पुत्र नारीमे ॥ प्रीत लाग औरभाई ॥
नाक छु दिया लिया हरिनामा ॥ सब दिन रैन गमाई ॥
कहत महेताब भजो भगवाना ॥ होगी नातो बुराई ॥

ایضاً

جن لی من اپنو سدہ کیو
کہت ہین گنگا جمنا بیا پک
جو ہی بی مکہہ گر چرن سے
جن کی من رگہنا تہہ بسنت
مہتاب پیتا مین جنکے پیا

ان پی جسم راج کو جیت لیو
پھر تیرت کو ان گرنیو نہ کیو
وہ جگ مین رہ کی جیو نہ جیو
رس نام ہری کو پیو نہ پیو
ان رام کو نام لیو نہ لیو

॥ ६७ ॥

जीनने मन आपनो सुद्ध कीयो ॥ उनने जेमराजको जीत लीयो ॥
घटमे गंगा जेमना व्यापक ॥ फीरतीरथ गमन कीयो न कीयो ॥
जो है बेमुख गुरू चरननसे ॥ वोहा जगमे रहके जीयो न जीयो ॥
जीनके मनमे रघुनाथ बसत ॥ रस नाम हरीको पीयो न पीयो ॥
महेताब ही याम जीनके पीया ॥ उन राम नाम लीयो न लीयो ॥

ایضاً ۱۸

آگرہ میں کوئی نہیں اپنا مینا
رام بھجا سوہی سجنیا

ایضا ۱۰۰

آری من تو کیوں ہوت گنوارا

رام بھجو نہ تجو پل گھڑی کو ۔ کہو لوکپٹ دوآرا

جا کی کیرتی کون نہ جانت ۔ سب بھگتن کا پیارا

جو نر بمکھہ نام سے ہریا کی ۔ بھاگ ہین دکھہ پارا

داس مہتاب بھجا جن ہر کو ۔ جم دونن کو مارا ॥۱۰۰॥

॥ओरेमनतूकैंहोतगवारा॥

रामभजोनभजोपलघडीको॥खोलोकपटद्वारा॥ज्या
कीकीर्ति कोननजानत॥सबभक्तनकाप्यारा॥जो
नरबेमुखनामसेहारिके॥भागहीनदुखपारा॥दासम
हेताबभजाजीनहारिको॥जेमदोननकोमारा॥१०॥

ایضا ۱۰۱

آری من اب ایسی گتی کر دری

کھٹ سریر جیا کو ناگر ۔ رام سبیج دہر دری

نیم دہرم کی موٹھہ بناؤ ۔ کام کرود بہر دری

مایا موہ بیل کر دواو ۔ پریم کی ڈول بہر دری

جیسے رمو باغ پیا پیاری ۔ سب سندیہہ بجوری

او سم بیہہ گتی سب دہم ۔ سیتا رام بھجوری

داس عتباب کرو یہہ مندا ۱۱۰۹۲۱۱ ناتو ڈوب مرو رے سی

॥ अरे मन अब ऐसी खेति करो रे ॥

खेति शरीर जीयाको नांगर ॥ रामकोबीज धरो रे ॥
नेम धरम की मोठ बनावो ॥ काम क्रोध हरो रे ॥
मायामोह बैल कर दोउ ॥ प्रेम के डोल भरो रे ॥
सिंचत रहो बाग पीया प्यारी ॥ सब संदेह तजो रे ॥
उत्तम यह खेति सब म ध्यम ॥ सीताराम भजो रे ॥
दासमहेताब करो यह धंदा ॥ नातो डूब मरो रे ॥

اتھ بھگتی پد

پربھوجی مین تپت یک بھاری

تپتین مین ملیش — کہلاؤن ۔ پاپن کو — اوبہکاری
رات دیوس مایا کی بہتر ۔ پریت پوتر اور — ناری
بال آوستا کھیل گنواؤ ۔ ترن نیند بہو — گاری
آیا بڑھاپا عمر سب — بیتی ۔ نابھجی کرسن — مراری
تینوپن کھوسی مایا — مین ۔ کرپا کرو بن — داری
آجامیل سیوری سی پاپی ۔ جھوٹی بیر کھا — تاری
تاری سیران اور دور — پتی ۔ گنتی نہین — نرناری

جو تاری سب تری بھگت ہت کہوت بید — پکاری
واس مہتاب مجھا پاپیے کو تارو تو — بلہاری

॥ भक्ति प्रार्थना ॥

॥ १०२ ॥

॥ प्रभुजी मै पतीतनयक भारो ॥

नाहर नाम गुरु कि सेवा ना कछु कियो सुभ कारि ॥ पतीतनमे मुरख्या कहलाउ ॥ पापनको अधकारि ॥ रात दिवस माया के भीनर ॥ प्रीत पुत्र और नारि ॥ बाल अवस्ता खेल गंवायो ॥ तरुनन नींद बहु गाडि ॥ आया बुडापा उमर सब बीती ॥ ना भजे कृष्ण मूरारी ॥ तीनो पन खोये माया मे ॥ कृपा करो बनवारि ॥ अजामिल सि वारिसे पापी ॥ झुटे बेर खा तारी ॥ नारि मीरा और द्रोपदी ॥ गीनि नहि नर नारि ॥ जो तारे सब तीर भक्त कहित ॥ कहे वत वेद पुकारि ॥ दास महताब महा पापीको ॥ तारो तो बलहारि ॥ ५ ॥

ایضاً

۱۰۳

ناتھ جی اب کی بید مہاہ تارو

مین پاپی یک مہا — پتیتی میری اور — نہارو
سرناگت کی لاج تمہی کو ہون تپیت — ہٹارو
اجامیل پاپیے کو کینو بھالنسی جم جسی — نیارو
بہگت دیو نج چرن کنول کی جا سی دوت جسم ہارو

پھرمن مورکھ سوچ سمجھکر — مایا موہ مین پیارو -
بھجن کرون دن رین تہارو — کام کرودہ سب - جارو
جو پتیت سرناگت - آیو — گنیو لوک پک - وھارو
یک پتیت مہتات سری ہری — کرپا کرکے — اوبارو

॥١٠٣॥

॥ नाथजी अबके बेर मोहि तारो ॥
मैपापी येक महा पतीति ॥ मेरे उरनिहारो ॥ रे ॥
सरनागतकि लाज तूम्हिको ॥ हुं पतीत हत्या ——— रो ॥
अजामीलपापीको कीनो ॥ फांसी जमसे न्या ——— रो ॥
भक्तदेवा निज चरन कंवलकि ॥ ज्यासे दूत जमहा ——— रो ॥
यहमन मूरख सोच समझकर ॥ मायामोह मेथ्या ——— रो ॥
भजनकरू दिनरैन तुम्हारो ॥ कामक्रोध सबजा ——— रो ॥
जोपतित सरनागत आयो ॥ गउलोकपगधा ——— रो ॥
येकपतील महलाबखीहारि ॥ कृपाकरके उबा ——— रो ॥

ایضاً
١٠٤

بہارجی اب پت راکہو موری

سرن آئی کی لاج بچارو — بھگت کرون بنج توری
مایاں ستہ دلبرا یے - — داری موہ نے بیری
دنیا دولت مال خزانہ — رہی نہ ایک جھلکی - کوری
پیت سنسار اوس کو - موتی — وہرت یون لکی - بہوری

بالاپن سب کہیل مین کہو — یا
آیا بڑاپا دیکہہ کے — رویا
کہا کرون کت جاون سوامی
داس مہتاب یہہ ہی چاہت ہی

بند جوانی — گہریا
بدہ بہی تمت — بوریا
مایا جال لیے — گہریا
بہکتی کرون یک — تیریا

॥१०४॥

॥ बेहारिजी अबपतराखो मोरि ॥

शरण अये किलाज विच्यारो ॥ भक्ति करों निजतो — री ॥
मायाने सुधबुध बिसराइ ॥ डारि मोह कि बे — री ॥
दुनिया स्वलक्त माल खजाना ॥ रहीन एक हि कव — डि ॥
यह संसार बोसको मोती ॥ धरत पवन लगे थो — री ॥
बालापन सब खेल मे खोया ॥ नींद जवानि घे — री ॥
आया बुडापा देखके रोया ॥ बुध्ध भई मत बो — री ॥
कहा करू कित जाऊं स्वामि ॥ माया जालने घे — री ॥
दास महताब यहि च्याहत है ॥ भक्ति करू येक तो — री ॥

ایضاً ۱۰۵

گرو ہرو گرو د کہہ — میرا
مایا جال موہ کی — بہت —
ہون بہت تین کو نایک
نیان پار لگاو سری ہری
دور کرو مہتاب کی — چنتا

مین غریب ہون — تیرا
اور کیا پاپ — گھنا
پار لگاو — بیڑا
دین جان اور — چیرا
مہا سنکٹ لی — گہرا

॥१०५॥

गिरधर दूर करो दुःख मेरा ॥ मैं गरीब हूं ते — रा ॥
मायाजाल माहे कभितर ॥ और किया पापघने — रा ॥
पतीत पावन नको नायक ॥ पार लगावो बे — ड़ा ॥

داس مہتاب چرن پیا پیالی ۔ انتور مہو گی نٹ کھٹ ۔ ہینا

॥१०७॥

॥तुहिंपिया व्यापक सब घट घट्मे॥

अंगबभूत तपो पंचाग्नि॥कहाहोत खटपट मे॥
तीरथगवन करो नकरो कछु॥यहसबहै परघट मे॥
जापर कृपाहोत येकछिनाहे॥ — होत झटपट मे॥
दासमहताब चरनपिया हियारे॥नातोरहोगेनटखट मे॥

ایضا
۱۰۸

اجی پیا موئے اور رہا او

ہوں پاپی تیتن کو شوا جی — کام کرودھ سب — جارو
سرن آیی کی لاج بچارو — مہا پاپی ہتیا — رو
پاپا موہ بسی مور پھلینیا — ماجھ دھار سیی — کاڑو
اجامیل سی گنتی تر گیے — لیوت نام — تمہارو
تم بن شام نہ دیستی کو یی — چوں دس مہ دہ — سہارو
داس مہتاب شام سا کو — بارم بار — پکارو

॥१०८॥

॥येजिपिया मोरि ओर निहारो॥

हूं पापी पतितनको स्वामि॥काम क्रोध सब जारो॥
शरण आयेकि लाज बिचारो॥महापापीहा त्या रो॥
मायामोह फसिमोरीनैया॥माज धारसे का ढो॥
अजामिलसो कल तीरगये॥लेवतन म तुम्हा॥
तुमबिन शामनदिसेको॥चहुं दिसमोह सहा रो॥
दासमहताब शाम शामा ने॥बारंबार का रो॥

ایضا
۱۰۹

॥ दरशन देवो दीनानाथ ॥

व्याकुल महा चैन नही छिन भर ॥ तुमरोहि गुन गा त ॥
आसा कहा सांस कि पल भर ॥ आवागवन थेक बा त ॥
दिनबंधु दीननके साहायक ॥ मो सम नहि अना थ ॥
तुं पतीत पतितनको ठाकुर ॥ बेगी करो सना थ ॥
तरपत हुं सासा ले थंडि ॥ रिखे को इनसा थ ॥
दाह्का त करु बहु बिनती ॥ करजोरन बाउमा थ ॥
बहोत पतित तारे नहि गीहि ॥ पुछे कर मन जा थ ॥
दास महताब पापके जडको ॥ तारो कृपाना थ ॥

ایضاً

ہتیا من بسی موری سانوری صورت

کنول نین چیتون جون برچھی ۔ نہیں اوپما کوے صورت
جاکو بید پوران نت دھاوت ۔ گاوت سب جگ کیرت
گنگا جمنا پراگ سنج کا سے ۔ واہون چرن سب تیرت
برمھا ور دیو جہان تا گین ۔ وہی صورت — کہورت
جہان تہان مایا سب بیا یک ۔ جوتش رمل — مہورت
داس مہتاب نہ بسرو رام ستا ۔ سب آمادہ سے پورت

॥ हियामे बसि मोरे सांवरि सूरत ॥

कवलनैनन्चितवन जंउ बरछि ॥ नहिउपमा कोई सूरत
जाकोबेद पुराण नित धावत ॥ गावत सब जग कीरत ॥ गंगा
जमुना प्राग निजकासि ॥ वाहु चरण सब तीरथ ॥ ब्रह्मा रुद्र-

है बजहांतांहि ॥ वोहिसूरतधुरत ॥ जहांतहां वासब व्यापक ॥ ज्योतिष रमलमुहूरत ॥ दासमहताबनबिसरोरामसिया ॥ सब आसावोहिपूरत ॥

ایضاً ۱۱۲

گھڑی پل ہیّا بسی بسارو نہ رام

آسا کا گھڑیا پل بھر کی
جاہت آٹھو جام
مہا جال میں پھس کے پیارے
مانگت سندر بام
مات پتا ست ما یا مو سب
تجو کرودہ اور کام
رات دیوس اور گھڑیا گھڑیا چھن چھن
رٹت رہو نج نام
تیرٹ کوٹ کرو نکرو کچھو
واہو چرن سب دہام
سیوا کرو نج رام نام کی
کوڑی نہ لاگے چہہ دام
یہ دنیا ایک اوس کو موتی
پون لگت نس کام
داس مہتاب بناگو بند کی
کوئی نہ آوت کام

۱۱۲

॥ घडिपलहियासोबिसारोनराम ॥

असाका: घडिपलभरकि ॥ चाहत आठोजाम ॥ महाजाल मेफसके प्यारे ॥ मांगत सुंदर बाम ॥ मातपिता सुत माया मो सब ॥ तजो क्रोध औरकाम ॥ रातदिन और घडि घडि छिन छिन ॥ रटतरहो निजनाम ॥ तीरथ कोटकरो नकरो कछु ॥ वाकु चरण सबधाम ॥ सेवाकरो निज रामनामकि ॥ कवडि न लागे छदाम ॥ यहदुनियाएकओसकोमोति ॥ पवनलगत

निशाकाम ॥ दासमहताबबिनागोविंदके ॥ कोईनआवत काम ॥

ايضاً

||۳

اجی گروہاری بلہاری توری جاون مین

یہہ ہی پرچاہت سرناگت تیری / مرت لوک پھیر اؤں مین
بہگت کروں جنم جنم تیرے / تیرے ہی گن گایوں - مین
تیرا دہیان بسی ہم - ہردی / پل پل چہن چہن دہیاون اون مین
پانی پیوں پریم رس تیرا / بہگت دان پہل کہاؤں مین
یہہ پرشاد - چاہت ہوں پریتم / تم چرن من لاون - مین
آسا داس مہتاب کی پورو / پہر پہر درسن پاون مین

۱۹۲

॥ येजिगिरधारिबलेहारितोरे जाउमैं ॥

यहि[illegible]सरनागततेरे ॥ मृत्युलोकफिरआउमै ॥ भक्ति करूंजन्मजन्मतेरी ॥ तेरेहिगुनगाउमै ॥ तेराध्यानबसेसमहृदय ॥ पलपलछिनछिनध्याउमै ॥ पानिपिउप्रेमरसतेरा ॥ भक्तदानफलखाउमै ॥ यहिप्रसादचाहतहुंप्रीतम ॥ तुमचरननचितलाउमैं ॥ आसादासमहताबकिपूरो ॥ फिरफिरदर्शनपाउमै ॥

ايضاً

||۴

گوبندہ گوبندہ ہری مراری
گوبندہ گوبندہ یہہ باس دیوا
گوبندہ گوبندہ یہہ پال کرسنا
گوبندہ گوبندہ یہہ شام سندر
گوبندہ گوبندہ یہہ ناگ ناتھا
گوبندہ گوبندہ مدسودہن مادہو
گوبندہ گوبندہ کرسن کہنا
گوبندہ گوبندہ دوارکا باسے
گوبندہ گوبندہ یہہ دین بندو
گوبندہ گوبندہ دین دیالا
گوبندہ گوبندہ رتانگ پانی
گوبندہ گوبندہ ترلوکی ناتھا
گوبندہ گوبندہ بہگت توا با
گوبندہ گوبندہ داس متہا با

مامابی

گوبندہ گوبندہ بانکے بہاری
گوبندہ گوبندہ سری گردہاری
گوبندہ گوبندہ اوتار دہاری
گوبندہ گوبندہ کنج بہاری
گوبندہ گوبندہ سرب نبواری
گوبندہ گوبندہ یہہ دیو چاری
گوبندہ گوبندہ کیسو کنارے
گوبندہ گوبندہ حدبت اسراری
گوبندہ گوبندہ یہہ سرم چاری
گوبندہ گوبندہ بہگت رکہواری
گوبندہ گوبندہ داس ہتکاری
گوبندہ گوبندہ چرن بلہاری
گوبندہ گوبندہ سیا بہاری
گوبندہ گوبندہ سرن تہاری

गोविंद गोविंद हरे मुरारी ॥ गोविंद गोविंद बांकेबिहारी ॥
गोविंद गोविंद यः बाल कृष्ण ॥ गोविंद गोविंद अवतार धारि ॥
गोविंद गोविंद यः बा ... ॥ गोविंद गोविंद श्रीगिरधारि ॥
गोविंद गोविंद यह श्याम सुंदर ॥ गोविंद गोविंद ... जनहारी ॥ गोविंद गोविंद य ... नाग ने ... था ॥ गोविंद गोविंद श्रीबनवारि ॥ गोविंद गोविंद मधुसुदन माधो ॥ गोविंद गोविंद य ... दव चारि ॥ गोविंद गोविंद कृष्ण क ... या ॥
गोविंद गोविंद क ... व केसारि ॥ गोविंद गोविंद द्वारकाव ॥

सी॥ गोविंद गोविंद जदुपत असुरारि॥ गोविंद गोविंद यह
दीनबंधो॥ गोविंद गोविंद यह ब्रह्मचारि॥ गोविंद गोविं
दीनदयाला॥ गोविंद गोविंद भक्त रखवारि॥ गोविंद गोवि
द रथागुपाणि॥ गोविंद गोविंद दासहितकारि॥ गोविंद गो
विंद त्रिलोकीनाथा॥ गोविंद गोविंद चरण बलिहारी॥
गोविंद गोविंद भक्त निवासा॥ गोविंद गोविंद सीयाबेहारि
गोविंद गोविंद दास महताबा॥ गोविंद गोविंद शरण-
निहारि॥

ایضاً

۵

ای جی میری لاج رکھو گردھاری

پالاپن سب کھیل گنوایا — ترن بئی بھی — گاری ہو
درد اوستا ردھی دیکھھ کی — اگ بہین دسی تار دیا ہو
لاج دہارین پیہی موری ہتیا — پار لگاؤ — بجھاری ہو
اور چھور دیکھی نہیں چرن در — تیرا سیوا — لسواری ہو
تاکیتو دان گرو کی سیوا — تالیہی کرسن — مراری ہو
بابا جال موہ دنیا — نی — ماری پیہم کٹ رہے ہو
مدھچھیری بیاکل — کمنیا — بہت پاپ کیا بہار ہی ہو
واس مہتاب برو ساگر کی — آیا شرن — ہمیاری ہو

ऐजी मोरी लाज रखो गिरधारी हो॥ बालापन सब खेल
गंवायो॥ तरुनाई [illegible] नाहिं हो॥ वृद्ध [illegible]

कछु कहन आवत॥ झांकि आनो किंवारि॥ देवदान
निज भक्ति नोरी॥ मांगे भीक भिकारी॥ घडि घाड पल
पल तेरी रटना॥ जीव्हां न जाय बिसारी॥ जल ... लमें व्या
पक सब ठाई॥ कहवत बे ... का रे॥ दास म ... ताब हिय
बसो गिरधर॥ या ... गिरधारी॥

ایضاً ۱۱۶

بہاری مین تو آئی او سرن تہاری ہو

ندیا گہرے پورانی منیا ہے — باج دہار پر ہے کہاری ہو
اور چھور چون وس نہین — مری سیوا — سنواری ہو
اترن جیون اتر ناجانون — دور دوکہت — پوکاری ہو
بیر ہار لگا وسری جی — دین جان دکہہ — ہاری ہو
بہانہ کہی کی لاج تمہی کو — بیت راکہو — گرد ہاری ہو
داس مہتاب چران کی بہرو — پار ہوت کب باری ہو

۱۱۶

बेहारी मैं तो ... रणा तेहारी हो॥ नदि ... री
नाव ... राने॥ माज ... रे नारी हो॥ वोर छोर चहुं
दि सना है दीसे॥ ... मरा सैवा बनवारी हो॥ उ... रन च
हुं उत्तरनो है जा... ॥ रा रोक ... कारो हो॥ ... पार
लगाव श्री जी॥ दीन जान दुःख च ... रे हो॥ बांह गहे
की लाज तुम ... का॥ पतरा ... गिरधारी हो॥ दास
महताब चरन ले हृदये॥ ... कवारी हो॥

کیسے مورت سانوری صورت
سنکھ چکر گرگدا اپ اجیت
کان کنڈل مکٹ انو کو
بتین بار راحت نیکو
کہوت بیدنگاری ساستر
گیا پراگ دوارکا کاسی
وا منوں چرن موت سب بائیں
ٹھاد یو برمھا سب دیوت
واس مہتاب بتیا سب پیا جی

کنول نین مادھو ری مورت
بھگتن تار دست سنگارت
باز ور بند کپلا آت موہت
پیتامبر کٹ کاچھنی سوہت
جہاں تہاں گاوت سب کیرت
گنگا جمنا سب جگ تیرت
سادھو سنت یہی سب ہورت
رات دیوس پل پل جہیں دیا
جن سب کی آسا پورت

केशव-रत सावरिसूरत ॥ कवल नैन माधोरिमूरत ॥ शं
खचक्र करगदाबिराजत ॥ भक्तनिवारन दुष्ट सन्हारत ॥ का
नन कुंडल मुकट-नाके ॥ बा बंद कंठला अतमोहत ॥
मुनियन ...बराजत नीको ॥ पीतांबर कट कांछनि सो
हत ॥ कहबतवेद पुकारशास्त्र ॥ जहातहां गावत सब
किरत ॥ गया प्राग द्वारका कासी ॥ गंगा जमुना सब जग
तीरथ ॥ ...सबव्याप ॥ साधुसंत यहिसब
धूंडत ॥ महादेव ब्रह्मा ...॥ रातदिवस पल पल-
छिन धावत ॥ द...हताबहियाबसो पियाजि ॥ जो
सबकि अस्सापूरत ॥ ५

ایضاً ۱۱۹

اچرا پسار مانگو یہہ ہی بر پاؤں — جنم جنم تیرو گن — گاؤں
مایا موہ نہ بیاپے چھن بھر — کام کرودھ سی باہر جاؤں
بھگت دیو بھکتی ریے جانکر — ہردے بسو چرن تو لاؤں
ردھ سدھ نا چہار پدارت — ایک پریت تو چرن چاہوں
داس مہتاب کی دور کرو چنتا — توری بنا کو پیر سناؤں

۱۱۹

अचरा पसार माँगो यहि बर पाँउ ॥ जन्म जन्म तेरो गुन गाऊं ॥
मा [illegible] ने व्यापे छिन भर ॥ काम को [illegible] से बाहर जा ऊं ॥
भिक देव भी कारी जा [illegible] ॥ हृदय बसो च[illegible] नन को ला ऊं ॥
रिधसिध ना चार पदारथ ॥ यक प्रीत तो चरनन चा हूं ॥
[illegible] हेताब की दूर करो चिंता ॥ तोर बिना को पीर सुना ऊं ॥

ایضاً ۱۲۰

ناتھ جی بھکتی کرون نج تیری — دیو بھیک — بھٹکاری
دین جان سرناگت لی او — تیین کو اوہ — کاری
کٹھم پروار سوہ — مایا لی — واری پریم بس — بیری
دہر و مار کنڈ ہت جان لی — اٹل گامنا — پوری
اجامیل دھند کاری پار کئے — گنیتے کہا بیک — سوری
کام کرود نہ بیاپی چھن بھر — کریا کرو کچھو — مہوری
داس مہتاب جنم جنم مانگیا — نج بھگتی یک — توری

कामक्रोध मोहमद मत्सर ॥ पायन डारि ब — रि॥
जन्मा जन्मा यहि तर मांगत ॥ नित गुन गाऊं तो — रि ॥
कृपाकरो दास मे गिनति ॥ दासन दा स भुरा — रि ॥
दासमहताब करत यह बिनंति ॥ भक्ति चरन रहे तो — रि ॥

ایضاً ۱۲۲

اجی ہم سے چریاں بھگین ہوں کے
چہار چہار پر گہرپن — کلولان
تہی تہی باچین ہرگن گاوین
رات دیوس سری نندلال سے
دنیا دولت مال خزانہ
مگن رہت گہری گہری پل پل کرین
داس مہتاب رنگو پیا پیاری

برج بھوم مادہوبن — کی
جہاں دیکہہ بندرابن — کی
من اچہا درسن — کی
لاگ رہے لو — ان کی
نہیں چاہت کچھ دہن — کی
چرچا رادہا کرسن — کی
کبہی نہ کرو کچھ من — کی

१२२

आजि हमसे चुरीयाभलिबाहु बनके ॥ ब्रजभूममा [illegible] को॥
झारझार परकरें कि लोला ॥ महिमादेख ब्रिंदाबन — कि ॥
घर घर ईन्चे हर गुन गावे ॥ मनइच्छा दरशन — कि ॥
रातदिवसश्रीनंदलालसे ॥ लागरहि लौउन — के॥
दुनियादवलत मालखजाना ॥ नहिन्चाहत कछुधन — कि॥
मगनरहत घरिघरिपलपल करें ॥ चरचाराध [illegible] — के ॥
दासमहताबरटोपियाप्यारी ॥ कहिनकरो कछु मन — कि॥

چترکوٹ تیرت مین بہا او
پنچ بٹی ہوا اسٹہ پو کاری
تہان یک مرگ کنچن کو ایو
سیا بروگ کسکندرا ئی
بال مار سگریم کو ــ دینو
تہان ہنومان آگے کاری
لنکا جرا سیا سدہ لائے
سیت باندہ لنکا کو ــ دہائی
لنکا راج بہبہن ــ پایو
کرو آرتی رام چندر ــ کی

بارہ برس تہان سکھ پائو
سپ نکہا ناک کاٹ سنگائی
روان سیا لی لنک سدہار
تبہی ریچہ باندر سب دہائی
راج تلک راجہ سب کینو
کوند سمند پل یک نے بچاری
رام لچمن سن بہو سکہ پائی
روان مار راجہ ہا ــ آئی
جنم جنم کی دکہ ــ بسرایو
داس مہتاب سیا پر بہیری

॥१२८॥

आरति रामलछ्छन सिया कि जै ॥ ॰ नमन सबहि निछा वरादिजे ॥ चोयानंदन पुष्प क [illegible] ॥ धूपदीप नैवेद्य विशाला ॥ विश्वामित्र जग्य हितकारी ॥ अ॰ रनमार आहिल्या नारी ॥ मुनिसहीत जनकपूर आये ॥ ध॰ वा तोड ज्यानकि ब्याहाये ॥ मातकैकई वचनसुन धाय ॥ चवदा बरस बनो बनछाये ॥ चि॰ कोट तीरथमन भायो ॥ बाराबरस तह सुखपायो ॥ पंचवटि बहु॰ कारे ॥ र॰ पनखाना ककाटसींगारे ॥ तहाएक मृगकं चनको आयो ॥ रावन सीयाले लंकसिधारो ॥ सियाबिरयोगा किस्किंदा आयो ॥ तब हिरीछ बांदर सब धाये ॥ वालिमार सुग्रीव का [illegible] नो ॥ राजतिलक राजा सब कीनो ॥ तहा ह॰ मान अग्याकारि ॥ [illegible]

पल येक न बिचारी ॥ लंका जरा सिया सुध लाये ॥ राम लछुन सुन बहु [illegible] ॥ सेतु बांध लंका को धायो ॥ रावन मार अजोध्या आये ॥ लंका राज बभीछुन पायो ॥ जन्म जन्म के दुःख बिसरायो ॥ करो आरती राम चंद्र कि दास महिताब सिया रघुबर कि ॥ ७ ॥

ایضاً

۱۲۵

آرتی سیئو کیلاس پتی کی
گوری سنکر پاربتی کی
چاول چندن پہپ کی مالا
کرو آرتی بہولا ستے کی
انگ بہوت گلے منڈ مالا
آرتی کرو مہیش جتی کی
سیس گنگ کھایے نینگ دہتورا
آرتی کرو سٹ گور پتی کی
داس مہتاب آرتی پل پل
کرو تیم بہولا کوٹ متی کی

आरति सिव कैलास पती कि ॥ गौरी शंकर पार्वती कि ॥ चावल चंदन पुष्प कि माला ॥ करो आरति भोला स[illegible]ती कि ॥ अंग बभूत गले मुंड माला ॥ आरति करे महेश जती कि ॥ [illegible] स गंग रखाये भर्ग धतूरा ॥ आरति करो सिव गौर पती की ॥ दास महताब आरती पल पल ॥ करो तुम भोला कोट मती कि ॥ ७ ॥ ७ ॥

ایضاً

آرتی درگا بہوانی جی کی ۱۲۶ آدو سکت مہارانی جی کی

ایک بار جو تم کو پوجے ہو بیکنتہ دہام آوہ کاری
داس مہتاب کرونت پوجا سپنی نا جم راج نہاری
॥१२७॥

आरति चि भगुम्न ह्नितकारि ॥ सुक बिचार करो नरनारी॥
दाहे बाहे दोनो पटर नो॥ करो आरती नित ब्रत धारि॥
ब्रह्मा विष्णु रुद्र सब देवन॥ दीयय हि बरलबन भा रि॥
येक बार जो तुम को : जे॥ हो बैकुंठ धाम अधिकारि॥
दास महताब करो नित पूजा॥ सपने ना जम राज नीहा
रि॥ ॥ ॥ ॥

ایضاً

۱۲۸

آرتی کیجی بجرنگ — بلی کی
پہلی آرتی سری رام جی کی
تیسری آرتی لچمن — بالا
پانچمی آرتی گور — می سنکر
سات می آرتی پل پل چہن چہن

برم چاری ہنومان منی کی
دوسری آرتی سیا ولی کی
چوتھی آرتی — برمہ گنی کی
چھٹی ارتی دیو منی کی
داس مہتاب گاوی ست ابجی کے

आरतीकीजे बजरंगबलिकि ॥ ब्रह्मचारिहनुमानमुनी कि ॥ पहिलीआरतीश्रीरामजीकि ॥ दुसरिआरतिसीयाललीकी ॥ तिसरीआरति लछमनबाला ॥ चोथीआरति ब्रह्मगुनीकि ॥ पाचविआरति गौरीशंकर ॥ छटवी आरतीदेवमुनीकी ॥ सातवी आरतीपलपलछिनछिन दासमहताब गावेसुत اسس پر اتہا अंजनकि ॥

نبی رہو ہر بگت کرو تم سدا ن خوسی ہنا
کہتا کرتن سنگت سادہو سکن بین آکہہ لینا
دنیا دولت مال خزانہ اور کامن ناری
جو چاہو سو ہووی پراپت رام نام کہنا
گرہ میت پرواریوتر اور آرو گی کایا
ہاتی گہوڑا نوکر چاکر جو چاہو لینا
محل اٹاری ملک مال اور سمیت بہا ہی
راگ رنگ اور باغ بغیچہ روپلی سہر یا نا
بات ایک مہتاب یاد رکہہ سدا ن سکہی ہنا
شری کرسن گو پال لال کی چرنوں من دینا

॥ आसीस प्रार्थना ॥ १२९ ॥

बनेरहो हरिभक्तकरो तुमसदाखुसीरहना ॥ कथाकीर्तन संगत साधु मनमे रखलेना ॥ दुनयादवलत माल खजाना औरकामननारि ॥ जोचाहो सोहोवे प्रापत रामनाम

कहना ॥ कुटुम सहित परिवार पुत्र और आरोगी काया
हाती घा [illegible] न करचाकर जो चाहो लेना ॥ महल अ
टारी मुलक माल और रुख सपत भाई ॥ रागरंग और
बाग बगीचा रुपे मोहर पाना ॥ ब त थक महताब याद
रख सदा सुखी रहना ॥ श्री [illegible] लालके चरन न
मनदेना ॥ ७ ॥

کبت لیلا

۱۲۰

سرد رین اجیاری رات ایک پاون ٹہاری راس رچو گردہاری
مایا نج تن دہاری ات آنند من مین - ایسی بانسری بجاہی سب
جگ کو بہرائی سکہی اوٹہہ اوٹہہ دہای پیرین لبن ابہوسن آئین
راس منڈل کی بن مین - چہہ راگ چہتیس راگنی نج اپنی اپنی سرو
دہرای پیدا رسہت دہاہی دہرا ومنگ سن مین - آری مہتاب
دیکہہ سکہہ سماج آکاس مین بہیر بہی چڑہان دیوائی پہول برسائی
گات بجات مردنگ بینا ہاتن مین -

॥ कबितलीलामा० ॥ १२० ॥

सरद [illegible] उजय [illegible] रात [illegible] क ॥ पाउं [illegible] रास रचो गीरधारि ॥
मायानीज तन धारि ॥ अत अनंद मनमे ॥ ऐसि बांसुरी-
बजाइ सब जगको [illegible] माइ सखी उठउठ धाइ ॥ परे बसन आ
भूषन आइ [illegible] लके बनमे ॥ छराग छतीस रागनी निज-
अपने अपने सरूप धर आं ॥ [illegible] हेन था [illegible] धर उमंग मनमे ॥
अरे [illegible] देख सखसमाज आकासमे भीर भा चड बिमान
देव आ ये फुल बरसावगात [illegible] मृदंग ब [illegible] हातमे ॥ ७ ॥

॥ १३२ ॥

लेध गरिज मुना को चलि वृखभान ललि मिल नद दु लार ॥ लयि बाट पकड मिलि आज भलि कित जांहो ललि इत आवो भलारे ॥ देख लला सुख चत अलबेलि जीया उरत मोहे छोडो मा हार ॥ महताब कहत पिया - [illegible] मारो नेः तिरछे [illegible] ॥ ७ ॥

(ایضاً)

۱۳۳

پیارت سے گھر سی نکسی بر کھ بہان ستا البیلی چھیلی
دیکھ پری گردہاری لالہ مکھ موڑ چلی یک اور نویلی
لپک جھپک پکر نی بیاں کت جاو اجی مکھ بولو - رنگیلی -
داس مہتاب کہت شاما جی چھور دو اجی دیکھینگے سہیلی -

॥ १३३ ॥

प्रात समय घर से निकसि वृखभान सुता अलबेलि छबेली देख पेर गिरधारि लला मुख मोड चलि यक [illegible] बेलि ॥ लपक झपक पकरि बैंया कित जावो अजी मुख बोलो रंगेलि ॥ दास महताब कहत श्यामा जी छोरो आजी देखींगे सहेलि ॥ ७

ایضاً

۱۳۴

کیوں دیوانی ہے —

॥१३५॥

येकदिनराधेप्यारीबिरहकिमारि उठधाइ आटारिघ टादेखिकारिकारिको कलाकि कूक. सुनमनहिंगेरिसा निहै॥बाकु समय दादुर पपैया मोरबनहि मेकरत शोर बिजलिकिचमकदेखहियामेधरख देख जीयाघबरा नीहै॥और पपैया पापीकाहेको सुनावत कुकमो बिर हनको बीनदेखे सामरेकेनेन जीयाना धरचेन काहेको घटा गै रानीहै॥और महताब सुकचतहै अलबेलिबि नपिया अकेलि सबसमझावे सहेलिपिया आवेंगे अलि छबेलिकोदिवानिहै॥ ७ ॥

دوہرہ

رچنارچی رام نہیں ٹربی کوٹ بتن کیا کوئی کرے

چوپای

بار بار کہیں بجائیہ مان آپنو جای بجن سو بیر لانیہ راجا رگم لو بای
متی بات سنائیہ اچھا بجن کرای بان ہاقی پائیہ بان ہاقی پائی

॥१३६॥

॥ दोहरा ॥

रचनारची रामनहि टर है॥कोट जतन केसाकोइक राहे॥

॥ चौपाई ॥

बारबार कहिं जाहु मान अपनो जाय ॥
बचन मनोहर लाय राजा रंग लुभाय ॥
मिठि बात सुनाय आछा बचन सुहाय ॥
बातन हाति पाइये बातन हाती पाय ॥

قطعات تاریخ

تاریخ از مصنف

بھگتی پرکاش کی تالیف ہوی جب مجھسے — ہر سخنور نے کہا ہی یا نسے سہا بھاشا
سر امین ہو مہتاب ہے سال سمبت — نور مہتاب سے فائق ہوی بھگتی پرکاش

سمبت ۱۹۴۷

تاریخ طبع از جناب راے کنور بہادر صاحب توجہ گست مصنف

باہمہ خوبی جوشن بہا دبھگت پرکاس طبع شد — نگہہ بدبعید باد بھگت پرکاس طبع شد
عاری حروف نقطہ دار گیر بہر سال طبع — قابل قدر زد — دا دبھگت پرکاس طبع شد

سنہ ۱۳۰۸ ھ

تاریخ طبع از جناب رای راج بلی صاحب عنایت فرماے مصنف

بھگت پریم اور سو جب سب چہا ی رموز آکاش
کرہن کرپا سی چہپیا یہہ انونیم بھگت پرکاسیا

سمبت ۱۹۴۷

طبع از جناب رای ستیل پرشاد خورم الطاف فرما مصنف

ایک سنہ ہش نوسنہ سمرمن سنبت اوہکپ جانیں — جاکو سمپتہ یا فہم ستیل ہو بھیں

سیتل سمپت سال ہون نیکو بھگتی پرکاش   بدہ نندہ مہتاب رای برنو بھگتی پرکاش

سمت ۱۹۷۴

شلنعرا دہرم مورت برمہا اوتار مہاراج کسن دت پنڈت ساگن گور چھتر

مہتاب رائے مہاراج گوبند تون ہے سہباش

جن لی آپنی بدہی سی رچا بھگتی پرکاش

دہرم ارت اور کامنا مکہہ سرگ کو باش

پرہی بچاری جو کوئی پورن ہو سب آس

بھگتی کمتی کارنی اوتم ہے یہہ نیت

پریت ہیت برنن کیا ات یہ وین یہہ گرنت

بھو ساگر کی نادکا رچی رائے مہتاب

جو چاہو کلیان کو چیت من دیو ستاب

کل جگ کا بل دیکہہ کی کیا تپست تیار

جو من دی گرنت کو ہو بھو ساگر پار

بہت پریشرم سے کیا بتی شاشتر بچار

کام کرودہ سب دور ہون بیڑہ ہووی پار

ہیچ دنت دیا ونت ہین بدیا گن ہین پور

گامیت ہین سری باسپت بری بچن کی سور

جو آدین جگ دہار کی سب کا اکہن ہان

بدہان پربین ات نیتی پوپچھی - آن

پرت مان پرتھم پر وانکچھتر جوگ یہی اندر
بیپ کرن واہو سبی سنگ راس کو چندر-
بنسپتی تین اول ریچ سمبت ۱۳۰۸ تر اسوا اٹھ
عیسوی سمبتر ۱۸۹۰ اٹھ سو نود جگ یہ ہی گا تھ
گوربیپر برنن کرت کرسن دت ہی نام
اکرو چیتر کملا پوری وہان میراج و بام

ایضاً

سب دیون کی آستی سب سرگن سنمان
مہتاب راے برنن گیا اس پلنگ مین گیان
کی ہردم نیت بچار کر گرنت کبی بکھیان
پاکیندر کو گرم کا ہو جس سے کلیان-
گیان بھگت سکرم سب مین ادیکھے یوان
پنڈتو نکی سبھا رسی پری نر چھتر سجان-
کرسن دت سجن بھگت سیکا رکہہ پرمان
جیب دایا اس گرنت کو رچ سبھی کی جان
جو بہاکی حیت ہیت سی بھگتی من مین آن
چار پدرتیہ دینگی سری کملا بھگوان-

تاریخ ایضاً از مصنف

بھگتی پرکاش کی مہتاب سی افضل ہی ضیا
دیکھکر جسکو ہوئی خلق جہان سب لشاش
آمین کی سری ہی مہتاب سال ہجری کا
دید دابد درپیہ زیبندہ ہے بھگتی پرکاش

استت سری جگناتھ جی

جگناتھ جگدیش گسائی
اچھا کر گیو لوک سے دہائی-
کوئی کلپ ست جگ کی- ماہین
پرا ئیمن مندر من بھائی-
جو ہرشا و پاوے مندر کا
چتر بھوجی روپ ہو جائی
درسن درلب منش دیہہ کو
اندر و من سپنی سمجائی
پرگٹ کی یہہ مندر آدکو
بھگتن کی سب سندہ چورائی-
اندرو من کی بھگت پریم سی
آپ ہی روپ بری بن آئی-
انو روپ بلبھدر سو بھدر
اپنے ہاتھ سے آپ بنائی-
سری ہر اچھا گنیا ستہا پن
ترلوکی مین آپ پوجائی

बुद्ध अवतार नाम कलयुगमें रूपजगन्नाथ सबाहदरस दे ॥
दक्षणदिशातीररत्नागर ॥ कंचनपुरीउत्तमबसाये ॥
पूरीपुआभालपकवाना ॥ भांतिभांतिके भोगमगाये ॥
नितनये भोगपदारथव्यंजन ॥ खटमिठनीके सबहिसुहाये
कहहबरनूपरसादकीमहिमा ॥ जा ... ललचाये ॥
होत आरतीभोगकीबेरिया ॥ देखतमन आनन्द न समाये
जातपात आचार ... हाथोहाथ आपलुटवाये ॥
नित आनंद कहे तन आवत ॥ बैकुंठसे महेमा अधिकाये
दासमहेनाब दरसका ... वो ॥ दरसन दे ... जगतमनभाये

॥१३७॥

गंगा ... जगतारनीमाता ॥ तिरलोकीके ... ग ॥
कोइ सुरसुती ज ... गोदावरी ॥ कोई तिरबेनी ... ता ॥
रूप बहे शटकियोबा ... नजी ॥ एकपग धरनी आगासा ॥
चरनधो ... कामंडलली बो ॥ ब्रह्मदेव ... रखा ... ॥

استت سری گنگا جی

گنگی تم جگت تارنی ماتا ... ترلوکی کی ... ... داتا
کوئی سرستی جمنا گوداوری ... کوئی تربینی ... گاتا
روپ بہرا ٹے کیو باون جی ... یک پگ دہرنی ... آگاسا
چرن دہوی کا منڈل لینو ... برہم دیو شر ... گیاتا
وہی جل او ہار جگت سب ... بیا گیرت ... بہراتا

आजसखीझूलतगोकुलनाथ

रतननअमोलहिंडोलासोहै सुतियनकोसबठा ट॥
चलोचलोजैहैंबिंद्राबन छबदेखैंगनहूजना थ॥
सुरगंधर्पअबसरानित त रागमल्हारगावगा था॥
चंगरबाबफाकमंजी रा बीनमिरदंगबजा था॥
डुफरबंजरीमोहचंगउपगकोई कोईसारंगीहा था॥
कोईसितारतबूंराबजावै कोई अलगोजासुना था॥
सुनतचलीवृषभानदुलारी सबब्रजबनितासा था॥
झूलतनमेंचुपकेप्या री छबनिरखैमदना था॥
सामघटामेंचमकीबिजली देखेहलधरभा था॥
दोरफपटआकागगनकीनो जोरीअनोखीसुहा था॥
मिलबैठदोऊहिंडो ला सखियांमंगलगा था॥
कोईमेवापकवानभांत के लावतहाथोंहा ता॥
कोईहारअतरकोईअम्बर कोईकरचमरहिला था॥
कोईधुपदमल्लारअला पे कोईबीडीखिला था॥
झीनीनन्हीबूंदनमेहाबरसत आवनमामबिरंबा था॥
दासमहताबजुगलजोरीपर बार बारबलजा ता॥

ایضا

اجی پیا آیو ساون ماس

من ابلاکھا پورو 〃 〃 سامی 〃 بگیچن کرو 〃 〃 〃 بلاس
دار قدم کی پرو ہی ہنڈولا پورن کرو سب آس
عطر پان میوہ 〃 〃 پکوانا سب سامگ گری 〃 〃 پاس
للتا چمر بساکھا 〃 〃 بجتا 〃 چلو بیکنتہہ 〃 〃 〃 نواس
تال مردنگ بجت 〃 〃 سارنگی الاپت سب سکھہ راس
کیرت ستا سکیان آنند ت ناچت گات 〃 〃 ہلاس
نٹوبر روپ چلے ہندرابن سکیان دیکھہ اوداس
ہل مل بیٹھے دو آؤ ہنڈولا دور کیو سب تراس
راس بلاس کیو بہو گرو سب سب کو دیکھہ تراس
داس متاب ورس کو بہو نکو داسن کو ہی 〃 〃 واس

अजीपिया आयो श्रावनमास

मनअभलाखापूरौसामी नगीचनकरोबिलास
[illegible]कीपरोहेहिंडोला पूरनकरो [illegible] स
[illegible]पानमेवापकवाना सबसामग्रीगरोपा स
ललताचमरबिसाखाबिजना चले[illegible]निवा स
तालम्रिदंगबजतसारंगी अलापतसबसुखरा स
कीर[illegible] सुतासखीयाआनंदित नाचतगातहुला स
नटवररूपचलेब्रिंद्राबन सखियांदेखउदा स
हिलमिलबैठेदोउहिंडोला दूरकियोसबत्रा स

रासविलासकियोबहुगिरधर ... निरा ... स।।
रासम ... रससकोभूको।। रासनकों ... स।।

ایضاً

آج بگین مین چلو گردہاری جی

ساون ماس لگی جب بنگی — پہول رہی پہلواری جی —
جوہی چنبلی بیلا موتیا — گل شبوات بنیاری جی —
بدن بان کیوڑا سیوتی — گل طرہ گل ناری جی —
گل بیچہ گلاب گل لالہ — داؤدی پانت سنواری جی —
کند مولسری دونہ مروا — گل مہندی ات بہاری جی —
گل چاندنی چمپا گیدا — نہران بہت ہزاری جی —
کہان لون برن کرون سب نام — برکہا کہت پوکاری جی —
رت بسنت امنڈکے آئی — ساتھ لیے گل کیاری جی —
سب ہی راگ راگنی جڑ کی — گتیم سہت پگ دہاری جی —
الاپت ہین گندہرب اپسرا — ناچت دی دی تاری جی —
چڑہوان دولہ سر آئی — ورسن کی بہکیاری جی —
دادر مور پاپیہا بولت — کویل کوکت پیاری جی —
امبوا کی ڈاری پر دہی ہندولا — چلو چلو ہنواری جی —
ساز سماج کہوست سکہیان — چندری چیر زر تاری جی —
سب سنگار ابوسن تانا — شوبہی برکہہ بیان ملاری جی —

साजसमाजकियेसबसखियां — चुंदरीचीर जरतारी जी
सबसिंगार आदि एनाना — सोहे वृषभान दुलारीजी
भीनीभीनीबुंदयन बरसतमेहा — आसापूरीकिशोरीजी
गहथीमातेदेखआपिनकी — पगधारेहैं मुरारीजी
अतिआनंदहिं डोलाबैठे — हिलमिलप्यारीजी
नन्हेंनन्हें फूकारेतसखीसब — बारबारसब वारीजी
दासमहताबशामश्यामापर — तनमनसेबलिहारीजी

ایضاً

آج سکھی جھولت کرسن مراری

سروپ انوپ بنو نند لالا — مور مکٹ کی باری
پیتا مرکٹ کا چینی سوہت — کندل کی چھب نیاری
مرلی ادہر مدہر سر باجی — پران ناتھ کی پیاری
ایجاوت سب راگ راگنی — رت بسنت پگ دہاری
پہولن کو سوہت ہنڈولا — ریشم کی ڈنچ ڈوری
جیونکا دیت چند درالی للتا — اور بڑکیہ بہبان دولاری
کوئل کوکت مورا یولت — اور پہولی پہلواری
رادہا کرسن جگل جوڑی پر — سب ہووت بلہاری
کوئی چمر ہلاوت ٹھاڈی — کوئی پہولن ہار سنواری
بہانت بہانت کی میوہ لیائی — ہاتھ لئے کوئی جہاری

جھولے ہیں بندرابن میں ہنڈولے ہیں رنگ برنگ | سکھیاں جھولا کے گاتی ہیں ملار خیال کی
چنگ و رباب جھانجھ مجیرہ ہے خوش ترنگ | سارنگ طنبورہ خوب سدا ہے کرتال کی
مردہنگ بین ہاتھوں میں مرچنگ اور ستار | کیا صفت ثنا ہو سکے انکے کمال کی
بن بن کے جب نکلتا ہے موہن سر کیشن | مہتاب فدا چال پہ گردھر گوپال کی

क्यारवुस नुमोहे वाकी आ[illegible]लकी ॥ मनहरलिया है गि[illegible]
छी निघाने गोपालकी ॥ बांकासरूपसिरपे मुकट कानमें कुंडल ॥
भुजबंद जड़ा ऊ धुक धुकी हीरे वलालकी ॥ शाहराहे क्या भुनषर
चितबनहे [illegible] गजब ॥ तारीफ क्याकरें कोई हुस्नो जमालकी
फूलेहे बिंद्रा बनमे हिंडोलेहें रंगवरंग ॥ सखियां फुलाके गा
ती हैं [illegible] की ॥ चंगोरूबाब फांफ मजीराहे खुसतरंग
सारंग त[illegible]रावूबसदाहे करतालकी मिरदंगबीन हातीमे मुरचंग
औरसितारक्या सिफ़तसना होसके उनके कमालकी ॥ बनंदनके
जब निकलताहे मोहनश्रीकीशाम ॥ [illegible] फरा चालपे गिर
धरगोपाल के ॥

ایضاً

جھولے ہے نقش باعمدہ [illegible] | [illegible]
زیور مرصع جوڑا مسجر ہے زیب تن | بنچ جڑاو چمکے ہے بازو پہ نور تن

तमामदिन ॥ हरहालदमौलह जामुजेदपही अमन ॥ मह
ताब चाहताहेदिलोजांसे अबमजन ॥

موہن رکھے خوسحال موہن لعل کو ہردم
موہن مراری بہائی رہین سادو خورم

بہگتی پریت ریت سے سن تیرا سو چہہ مین
جہولے کیے آغاز ہنڈولے کیے قایم

ہر دن ہے نیا ٹھاٹ ہنڈولے نئے ہر روز
جہولین ہین جسمین کرسن سری رادہ کا دایم

کیشو کی بہگت پریت مین کیشو معہ ستیل
موہن کی محبت و مودت مین ہین ہمدم

ستیل سریک کیشو کیشو ہے انکے سات
نت گاڑی سنگار مین مستعد ہین عازم

بہگوت کی بہگت پریت مین دل جان سے حاضر
جہانکی نئی نئی مین ہین مصروف و مادم

ہین نت نئے ہنڈولے بارہ دری جہولے
یہہ دیکہہ انکی بہگت کو ہوئے سبہی نادم

لیا روشنی کا ٹہاٹ ہے ٹہرے نہ جسپہ انکہہ
ہر روز کہتا کرتن ہوتا ہے دم بدم

اب یک ہجوم ہوتا ہے درسن کیو سطے
مستور جہان ان پہ رہے کرسن کا کرم

یہہ بہگت اشتیاق مدامی رہے انکو
نت بہگت سری کرسن کی دلمین ہے اجم

خورد و بزرگ سب کو اوسی نام کا سمرن
ہین اعتقاد کرسن مین دل جان سے خادم

موہن کی موہن لعل کی کیشو کی بہگت
آباد رہین شاد مدامی رہین خورم

دراسطے اس غزل کے مصرعہ سے جوڑے کوئی حرف
مبارک ہووے اوسے سن صدر اوسیکا کرم

انکو سرسبز رکھے کرسن رادہ کا ہر حال
یہہ ہی دعا حقاب ہے دایم رہین قایم

١٣٠٧

मोहनरषेखुशहाल मोहनलालकोहरदम ॥ मोहन मुरारी भाईकोरहें
शादोखुर्म ॥ भक्तीप्रीतरीतसे सनतेरासोछेमें ॥ झूलेकी आगाज
हं डोलेकीकायम ॥ हरदिनहेनया थाट हंडोलेनयेहररोज ॥ झूलेमेहें

ڈار دے ہنڈولا نیارد سنگ نہ جھولونگی

ڈوار آڑے کیون ہا ہا کرت ہو | مین توکیڑیان اب نا کھولونگی
پییان پر وکرو بنتی لاکھ اب | کوٹ جتن کرو مون نہ بولونگی
جاؤ جاؤ جہان جھولے رین بھر | اب نہ ستاؤ موہ نا تو جھگڑونگی
داس مہتاب ہٹیلی سری رادہا | جھول کے نیاری بولی ملکے جھولونگی

द्वारदेहिंडोला न्यारे [illegible] झूलूंगी

दुवार आडे क्यों हाहा करत हो मै तो कवड़ियां अब ना खोलूंगी॥
[illegible] पांपरो करो बिनती लाख अ- [illegible]ट जतन ना करो मौन बोलूंगी॥
जाओ जाओ जहां झुले रैन भर अब ना सताओ मोना तो झ[illegible]॥
दास महताब हठीली श्रीराधा ॥ झूल के नयारी बोली मिलके झूलूंगी

جھولے ہنڈولے روز نئے کرسن منہرن
گت کاچھنی پیتمبر مرلی آدہر مدہر
سب گوپیون کی جان گئی آرزو دلی
ہم دیکھ دیکھ روپ کو بلہاری ہوتی ہین
لیس کرناسات یاد کی چترو گری آگر
لاکھون پری ہین جھولے والی قدم قدم
چھائی ہے گھٹا جسپہ چمک بجلی کی پیاری
چارون طرف مین نرت کرین البرا تمام
جتنی سروپ گوپیکا اتنی گئی گردہر
یک پل مین گوپیکاون کی خواہش لی مین
دینون پی وہ دیال جو دل سے بھگت ہین
مایا کا اوسکی پار نہ نیلا کا کچھ شمار
درشن کو چڑیوان سبھی آئے دیوتا
دم بھر نہ تجھے بھولون کرون نت تیرا بھجن

ماتھے مکٹ آنوکا نیلا ہے سب تن
نٹور سروپ بانکی دانت نئی چلن
جھولین ہنڈولی آپ سری رادہ کارمن
سب گوپیکا ہین لاکھون اکیلی سری موہن
بن بن ہنڈولی پڑ گئی ہر یک رتن رتن
ہر ایک باغ باغمین اور ہر چمن چمن
پر لی قوہار رم جھم جھنکار ہی پون
گندہرپ گا بجا کی نچھاور کرین تن من
ہر گوپیون کا خیال اُنہا مجھ پاس ہین موہن
یک ایک ساتھ گوپی کے جھولے سریکین
سب گوپیون کی آس کو دم گئے پورن
کیا روپ ہی آنوپ ہے ظاہر وہ ہے باطن
برسائی پھول چھپ گئی سورج کی سب کرن
دل جان سے یہ ہی ہے مہتاب کا سخن

फूलेहिंडोलेरोजनयेकृष्णमनहरन ॥ माथेमुकट अनोकानीलाहेसभ
बणे ॥ गतकाछनीपीतबरमुरली अधरमुधर ॥ नटबरसरुप
बांके अदानितनईचलन ॥ सभगोपीयोंकी जानगयेआरजू
दली ॥ फूलेंहिंडोले आपश्रीराधा कारमान ॥ हमदेखदेख

جہولا ڈلا دے باغ پیا آیا ساونا
برسے ہے میہ ورم جہم بجلی چمک رہی
برسات ہو یا دل بہی ہو موسم بہار ہو
جہولین سہیلی اور جہولاوین سکہی تمام
نا چین الاپین گاوین غزل ٹپہ اور خیال
سارنگ ستار بج رہا چنگ ور باب مین
دل مین قیام نام ہو رادہا کشن مدام

جہولین ہنڈولے ہل مل پوری ہو کامنا
بس دل مین یہی ہے پیا یہ ہے بہاونا
مدت سے تمنا تہی یہہ ہی یہہ ہی چاہنا
جہولین پیا پیاری ملار گاونا
کئی رنگ راگ ہو رہا مردہنگ بجاونا
جہولین ہین شام شاما ہر دم سراونا
مہتاب چاہتا ہے یہہ ہی اپنی کامنا

झूला डालदे बाग पिया आया सावना ॥ झूले हिंडोले हिलमिल पूरी हो कामना ॥ बर्षे है मे‍ह रम झम बिजली चमक रही ॥ बस दिल मेरे यही है पीया यह ही भावना ॥ बर्षात है या दिल भी हो मौसम बहार हो ॥ मुद्दत से तमन्ना थी यही यह ही चाहना ॥ झूलें सहेली और झूलावें सखी तमाम ॥ झूलें पिया पियारी मलार गावना ॥ नाचें अलापें गावें गजल टप्पा और ख्याल ॥ कई रंग राग हो रहा मरदंग बजाना ॥ सारंग सितार बज रहा चंग और बाब बीं ॥ झूलें हैं श्याम श्यामा हरदम सरावना ॥ दिल में श्याम नाम हो राधा कृष्ण राम ॥ महेताब चाहता है यही अपनी कामना ॥

آری چلوری چلو چپ دیکھین نہلا
سرمور مکٹ پیمری کا چھتا
جہسکا دیوت پر کہیان ستا
بندیان برست چملت بجری
کبھی جہوے آپ پیاری رادہا
کوکت مورین اور پاپیہا
دشتاب ہلاوت چہر شدان

بندرابن جہولت نند لالہ
کانون مین کنڈل متین مالا
گلا وین سکھی منگل ہنڈولا
اور پون ہلاوت ہے بجنا
کبھی جہوکا دیت ہے گوپالا
ملار گاوتی برج بالا
جوڑی سوہت جون گل لالہ

अरी चलोरी चलो [illegible] ला ॥ बिन्द्र[illegible]ण फूलत नन्द
लाला ॥ सिरमा[illegible] करपहिरे काछ लाया ॥ कानोमेकुण्डल
मुतीयनमाला ॥ [illegible] ॥ गावेसखी
[illegible] ॥ बुंदियां बर्षत चमकत बेजुरी ॥ और
पवन हलावत [illegible] ॥ [illegible] आप प्यारी राधा
कबहीं [illegible] ॥ [illegible] और पापया ॥
मलार गावती ब्रजबाला ॥ महेताब हलावत चमर सदा ॥
जोरी शोभित जयुं गुल लाला ॥

اجی دیکھو چلو برج ناری

جہولا دت شام کو پیا پیاری

रुमझुम रुमझुम मेंहा वर्षत ॥ बिजरी चमकत प्या——री ॥
सुरकिन्नर आकास भीर भौं ॥ निरतन अप्सरा के प्या——री ॥
गावत हैं गंधर्व मलारा——न ॥ ऋतु बसंत पग धा——री ॥
सबहीं राग रागनी सुर के ॥ गुण गावत बनवा——री ॥
सखियां फूलावें मंगल गावें ॥ हिलमिल वारी बा——री ॥
दास महताब नछावर तनमन ॥ राधा कृष्ण मुरा——री ॥

ہنڈولا سکھو بنو پچرنگ

رتن آول سکی کہم براجت || دورے رنگا رنگ
جھالر متین سوبت سنگے || جو دیکھے سو دنگ
کوئی سکھی بین بجاوت سندر || کوئی ہاتھ مردہنگ
کوئی ستار تمورہ چھیڑے || کوئی ہاتھ اوپنگ
کوئی سارنگ جھانجھ مجیرہ || کوئی باجے مرچنگ
الویم روپ رادہ کا پیاری || جھولت پیا کے سنگ
تا چھین گاوین الاپین سکھی سب || سب من نئی ترنگ
داس مہتاب یہہ ہی مانگت ہے || تم چرنن رہون منگ

۱۴۸

نامابلی سری بھگوان سہس اٹھایئس نام

گوبند باسدیو رام کرسن بنسی دہر شام سندر دین بندہ مادہو گردہاری
مچہہ کچہہ باراہ نارسنگ باون پرسرام جگناتھہ اگلنگی بودہی تن دہاری
پرماتما پرمانند نرنگ کارنرگن نرلیپت دامودر کرنا ندہی بھگتن رکھواری
نرادہار بال کرسن بدسودن ترلوکی ناتھہ نارایں جگدیس پربہو نیلا اوتاری
دوارکا ناتھہ بیکنٹھہ ناتھہ گنھمبدر ناتھہ پران ناتھہ ناگ ناتھہ پربہو ہی جدپت اسراری
بھگت بچہل بھگت پربہو نرنجن کرپا ندہان نایک سربدہ اسرکیسو گھتاری
سچتانند ہری مکند پرنت پال دیا سند دین دیال ترکولی گیو دج تہکاری
سہر اس ہاقس انپاسی کمٹ باسی چوڈابھوین وشل بھگونت لبن مورمکٹ دہاری
راگہو رگبیر رنگ ناتھہ جادواین نٹ ناگر نندلول باقکا ہے بہاری
بدری پت سنکاوک جوک دہان اگہہ الگ لچہمی پت گوپی ناتھہ موہن بنواری
ربہی گتی گنیا چرت پونتیا نگت موہ سا لور یا الیسر پرمیسر بھگوان پرم جاری

ملی رام و ہنک دہار جگ جیون کنول نین مرلیدہر چورامنی لیل دیوچاری ـ
سندہ ستا کنتہا راد ہا پتی سیگونتا گوپال کان چکر پان گوپہ دہن دہاری
سنگ چکر نیل برن گردہر کنتا لعل ڈسٹن کو گدا ہاتھہ رچہک سرہومی ہی پیتامردہاری
جوت سروپ سکن روپ جہاپور کہہ آدپور کہہ ماکہن پربہو نرناین مرلیدہر دہاری ـ
ہنس سگریون موہنی اوتار ہنس روپی پورن پرم جہاپر بہوایک پرم دتا آچارجی ـ
رام سیا نایک ہی جن سکہہ دایک ہی ٹہاکر تہوں لوک کنج بن بہاری ـ
مانگت جہتاپ داس مرلی منوہر سی ہتا ہین پرات سیس چرنون ملہاوری
نا مابلی سکہہ بلاس بہگتی اوک سے پرکاس امرت کی کہان جان چہدپت دوہ گاری
نامابلی گاوی است سدہ پاوے تونندہ دین ہین بشام مراری ـ

नामवलीश्रीभगवान सहसअठारह...

गोविंदवासुदेवराम... बनसीधरश्यामसुन्दरदीन
बन्धुमाधोगिरिधारी॥मच्छकच्छ वराह नारसिंह...परसु
रामजगन्नाथ...बोधेतनधारी॥पर्मात्मा परमानंदओं
कारनिरगुणनरकिश्न दामोदरकरुनानिधिभगतनरखवारी॥
निराधारबालकृष्णमधूसूदनत्रैलोकीनाथनारायण।जगदीस
प्रभूलीला अवतारी॥द्वारकानाथवैकुंठनाथगजेन्द्रनाथप्राण
नाथनागनाथ प्रभू हे जदुपति असुरारी॥भगतबतसल भगत
प्रभूनिरंजन कृपानिधान ...वरवध ... सकशोकहा
री॥सांवर...हरीमुकन्द प्रनतपालदयासिंधूदीनदयाल-
त्रिलोकीगौद्विजहितकारी॥घटघटवासअवनासी...

नामावलीदेवीमहारानीसहस्रऽठाईसनाम

तुहिदेवदुर्गाहैशक्तिभवानी ॥ तूहीयोगमायाहैश्रीमहारानी॥ तुहीचंडिकाचंडीत्रीलोकीरानी तुईअम्बाजगदम्बाआदभुवानी ॥ तूज्वालामुखीकालीआनंदीतुलजा ॥ तूहीदेवीहरसदीगौरीसार्दा ॥ तुहीहिंगराजचतुरभुजीसीतला ॥ तुहीविंधवासनीइश्वरीसीलाऽम्बिका ॥ तुहीऽष्टभुजीभद्रकालीमोहिनी ॥ तुहीमहोधरीबिंसासुरमथनी ॥ तुहीसुंदरीद्रोपदीचुडामणि तुहीसावित्रीलक्ष्मीअंजनी ॥ तूबगुलामुखीहेमवन्तीपिंगुला

نامابلی سری دیبی مہارانی سہس اٹھایس نام

تو ہی دیو درگا ہے سکتی بہوانی	تو ہی جوگ مایا سری مہارانی
تو ہی چنڈ کا چنڈی تر لوکی رانی	تو ہی امبا جگدمبا آدہ بہوانی
تو جوالا مکہی کالی آنندی تلجا	تو ہی دیبی ہرسدی گوری سار دا
تو ہی ہنگ راج چتر بہوجی سیتلا	تو ہی بندہ باسنی الیسوری سیتا امبکا
تو ہی اسٹ بہوجی بہدر کالی موہنی	تو ہی مہو دہری بہسا سُر متہنی
تو ہی سندری درد پتی چورا منی	تو ہی ساتری لچہمی انجنی
تو بگلا مکہی ہیم ونتی پنگلا	تو ہی مہا مایا مہا کالی پالا
تو ہی مین اکچہی البیلی پورنا	تو ہی سرستی پار بتی مہا یلا
تو ہی مرہی مرلو لون میک پانی	تو ہی کرسن پنگلا برہما نی رودرانی
تو ہی کا تیری کام اکچہی اندرانی	تو ہی بسال اکچہی مدر اپت رانی

تو ہی بیتا مری برا ای کالکا — تو ہی آد جوت ہی جھا دیوی مینا
تو ہی سنگ بہوانی بربہالی دوئی للتا — تو ہی کام روپی رکمن آورادہا
تو موہنی گو بہری کروندہ کھنجنے — تو ہی ترسولی فردیت سنگارنی
تو ہی ربی بہان منی جگ نندنی — تو ہی جہا جنی بہوین مین سمانی
تو ہی بیجاسن چنتر سنگی جہودہری — تو ہی ان پورنا منسی لنسی دہوری
تو ہی جام گربی پرمیسری مندری — تو ہی جہماد ہرمیسری کپالی جہبیری
تو ہی سکر جہا سکرا دہی سنکٹی — تو ہی بہونیسری کرالی ہنجی بیٹہی
تو ہی جہا میدہار گنتی اندر سکتی — تو ہی رگت بربارنی گہرک سکتی
تو ہی جہا مودنی جوت ماتا — تو ہی مندی جگ تارنی ماتی ماتا
تو ہی جگت مایا [illegible] سرسوکرما — تو ہی آپل دہالا پردہ ہی جگہہ مایا
تو ہی جگ موہنی کنوغل دل نواسی — تو ہی وبجنی سمیہ نسیہ ہٹنی
تو ہی نج ہی درگا دہرم چارنی — تو ہی یک اچہری جالندر نواسنی
سہس بٹھانیس تیری نام جو لیوی — سبہی کامنا پوری یک چھن مین پاوی
تیرا داس جہناب جس تیرا گاوی — سرن مین تیری پاس اب کسکی جاوی
کری پاٹ نا مابلی کو لی رانے — ملی راسٹ نوندہ دیوی بہوانی
پورو میری آسا ای درگا بہوانی — رکہوا اپنی واسان و نین کی بانی

तूही महामाया महाकाली बाला ॥ तुही मीन आक्षी ऽ लवेली पू
र्णा ॥ तुही सरस्वती पार्वती महाएका ॥ तुही भैरु मृतु पवन वेग
पानी ॥ तुही कृष्ण पिंगुला भस्मानी रुद्राणी ॥ तुही गायत्री कामा
क्षी इंद्रानी ॥ तुही विशालाक्षी मदसापति रानी ॥ तुही पीताम्बरी -

استت ہنومان جی

کیسری مہابیر بجرنگ

لکھمن برن مہابلی بکرم — رام لکھن سیا سنگ
بدیا گیان نہون لوک اوجاگر — رام کاج من اتو منگ
رام چرن سن کی رسیا — من بسی رام ترنگ
مہا بھگت کو لی بھگت نہ ایسا — رام رام سب انگ
سگریون بھیکن راج دیوایا — بال راون کرا بھنگ
کود سمند سیا سدھ لائی — نیک کری نہ درنگ
لنک جرا بہو آسر سنگاری — بھشم کری جون بہو جنگ
مار مہ راون لائی سجیون — دیکھہ مراڈو نا دنگ
اسٹ سدھ نو ندھ رسا تن — دیا ستری سیا بجرنگ
ناسین روگ ہرین سب پیڑا — انجنی پوتر نسنگ
رات دیوس تمرو گن گایون — نیک نذر کرو منگ
داس مہتاب سرن تیری ہی — انت کال رہو سنگ

تمت

ایضاً	۵	جون در	چون دس	۱۶۳	۱۵	ملوبس	بسوا بیس
۱۴۶	۵	جون	برن	۱۶۴	۱۲	جوبن وی	جوبن وی اس
۱۴۹	۱	کیسی	کیسو	۱۶۵	۵	بحرم	وبہرم
۱۵۱	۱	بهگن	بهلین	۱۶۷	۱۸	بت	ہت
"	۲	جهان	مهان	۱۶۸	۲	ایت	رہت
۱۵۲	۳	بسوری	بنواری	۲	۲	بیگ	جنگ
۱۵۳	۱	مرف مین	تیرت مین	"	۸	برجوبانتہ	برجباتهه
"	۳	روان	راون	۴	۱	اکرو	کرو
"	۹	پالسو	پاریو	"	۲	پوان	پورن
۱۵۴	۴	سٹ	سُب	۵	۵	بنیاری	نیاری
۱۵۵	۱۸	اور	رڈر	۸	۱۸	رببر	امیر
۱۵۹	۱	کنجن مین	بهولین کی کنجن مین بیوپال رہی	"	"	مامی	ماچهنی
"	۱۴	مسی بلی اور را	بهان بلی بلی نند	۱۱	۱۸	مولری	سرپی
"	۱۵	بکی ان	ملی آج	۱۴	۴	مسین	نهین
"	"	لت	ات	"	۵	ہی گلسن	خوب ہی گلسن
"	"	بلبلاری	بہلاری	"	۷	چوب	خوب
"	۱۹	کمچت	سکچت	۱۵	۱۰	لیا	کیا
۱۶۰	۹	سلی	سہیلی	۱۸	۲	داڑو	واآو
۱۶۱	۴	مسری	سری	"	۳	کمابر	کامر
"	۵	رعری	موت سری	۱۹	۲	باکی دہنت	باکی ادانت
"	۱۴	پچا	پاپچا	۲۱	۲	ولسلمدی	ولمیری
"	"	دیکها	دیکهه	۲۵	۱۰	نندلول	نندلال
"	۱۵	بینها	پاپڈا	۲۸	۱۸	پربهالی	پربهائی
۱۶۲	۱۳	نونهاسی	شوبهائی	۲۹	۲	رنکمن	رکمن
۱۶۳	۱۰	قدرو	قدرو قرو	"	۶	پچا	بہابا
"	۱۸	ماوی بل	سال ہی سیتل	۳۲	۳	اکنجن	کنجن

تمت تمام شد